Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 176
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00
रविवार,25 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

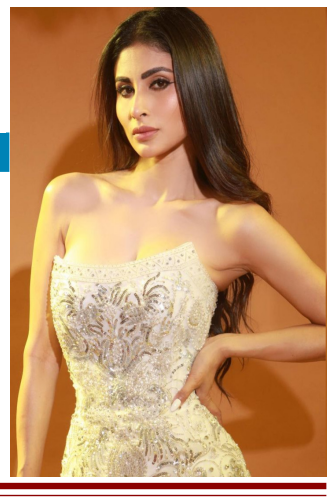

2 आयकर ने जब्त की 30 करोड़ की संपत्तियां कुर्की

4 डायबिटीज, हृदय रोगों के साथ ब्रेन को भी खतरा

7 फोटो खिंचाने के बहाने उन्होंने मेरी कमर छुई

अमित शाह ने राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का किया भ्रमण

2047 तक विकसित यूपी बनेगा देश को दिशा देने वाला राज्य:शाह

लखनऊ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश दिवस के मौके पर शनिवार को कहा कि आज यह संकल्प लेने का दिन है कि वर्ष 2047 तक घनी आबादी वाला यह प्रदेश एक विकसित राज्य बनकर देश को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि वह देश, दुनिया और प्रदेश में रहने वाले प्रत्येक उत्तर प्रदेशवासी को हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश वह पावन भूमि है, जहां भगवान श्रीराम, भगवान श्रीकृष्ण, बाबा विश्वनाथ सहित अनेक युग-प्रवर्तकों की भूमि है। उन्होंने राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल का भ्रमण कर प्रसन्नता व्यक्त की और इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। गृह मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल राष्ट्र की चेतना और जागृति का केंद्र बनेगा। श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में निर्मित यह पार्क आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देगा। उन्होंने बताया कि जिस स्थान पर कभी 65 एकड़ क्षेत्र में कूड़े का ढेर हुआ करता था, वहां आज एक भव्य और प्रेरणादायक स्थल तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' योजना को भाजपा के घोषणा पत्र में शामिल किया गया था, जो आज पूरे देश में लागू हो चुकी है। यहां प्रदेश के सभी जिलों के व्यंजनों का मेला लगा है और उत्तर प्रदेश के व्यंजन विश्वभर में अपनी पहचान बना चुके हैं। प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि उत्तर प्रदेश में डकैती और लूट की घटनाओं में बड़ी कमी आई है। साथ ही कनेक्टिविटी में भी व्यापक सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश ने हर कालखंड में देश को सुरक्षित और सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आगामी चुनावों का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने प्रदेश की जनता से भाजपा को प्रचंड बहुमत देने की अपील की। उन्होंने कहा कि परिवारवादी पार्टियां विकास नहीं कर सकतीं। अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शासन में प्रदेश में विकास की गंगा बह रही है। उन्होंने दावा किया कि योगी सरकार ने भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण किया है और गरीबों के कल्याण के लिए अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने राज्य के स्थापना दिवस पर कहा, उत्तर प्रदेश भारत की धड़कन है, और दूसरे शब्दों में कहें तो उत्तर प्रदेश भारत की आत्मा भी है। मुझे पूरी तरह से विश्वास है कि उत्तर प्रदेश भारत के विकास का इंजन बनेगा, एक विकसित भारत का इंजन। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए शाह ने कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार संयुक्त रूप से विकसित राष्ट्र और विकसित राज्य के लक्ष्य को हासिल करने के लिए काम कर रही हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने एक विकसित भारत बनाने का संकल्प लिया है, और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी डबल-इंजन सरकार ने उत्तर प्रदेश को भी एक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हम सभी आज इस संकल्प को दोहराते हैं कि जब 15 अगस्त 2047 को स्वतंत्रता की शताब्दी मनाई जाएगी, तब उत्तर प्रदेश एक पूरी तरह से विकसित राज्य होगा और एक विकसित भारत का महत्वपूर्ण राज्य बनेगा।

सीएम धामी ने होमगार्डस भर्ती घोटाले में डिप्टी कमांडेंट को किया निलंबित

दिए जांच के आदेश

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा विभाग में वर्दी सामग्री खरीद से जुड़े कथित घोटाले में संलिप्त पाए जाने के आरोप में होमगार्ड के निदेशक (डिप्टी कमांडेंट) अमिताभ श्रीवास्तव को तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए मामले की जांच के लिए संयुक्त जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए। सोशल मीडिया पर सरकार द्वारा दी गयी सूचना के अनुसार, श्रीवास्तव के खिलाफ यह कार्रवाई होमगार्ड्स एवं नागरिक सुरक्षा के महानिदेशक द्वारा राज्य सरकार को इस संबंध में भेजी गयी रिपोर्ट के आधार पर की गयी है जिसमें निविदा प्रक्रिया में पारदर्शिता के अभाव और नियमों का उल्लंघन होने की बात सामने आयी है। यह मामला वित्त वर्ष 2024-25 और 2025-26 के दौरान होमगार्ड्स के लिए वर्दी सामग्री की खरीद प्रक्रिया से जुड़ा है, जिसमें निविदा प्रक्रिया में वित्तीय अनियमितताओं के आरोप सामने आए। आरोप है कि होमगार्डस के लिए वर्दी तथा अन्य सामान खरीदने के लिए तीन करोड़ रुपये का भुगतान किया गया जबकि उसकी वास्तविक कीमत केवल एक करोड़ रुपये थी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राज्य सरकार भ्रष्टाचार के प्रति बिल्कुल न बर्दाश्त करने की नीति पर काम कर रही है और किसी भी स्तर पर अनियमितता या भ्रष्ट आचरण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

वित्तीय योजनाकार से 49 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में 2 व्यक्ति गिरफ्तार

ठाणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में जमीन के जाली दस्तावेजों के जरिये एक वित्तीय सलाहकार से 49.35 लाख रुपये की ठगी करने के आरोप में दो लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। मानपाडा पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों ने दिसंबर 2015 और जुलाई 2023 के बीच जाली दस्तावेज तैयार किये और इन दस्तावजों का इस्तेमाल कर डोंबिवली पूर्व निवासी राजेश सुभाष जाधव (34) को निर्माण कार्यों की साझेदारी में फंसाया। उन्होंने कहा, ह्यह्यये जमीन डोंबिवली पूर्व के मौजे अडजे-गोलावली, मौजे दावडी, मौजे नंदिवली और मौजे गोलावली में स्थित हैं। इन भूखंडों के पुनर्विकास के लिए शिकायतकर्ता ने 49.35 लाख रुपये का निवेश किया था लेकिन बाद में उसे पता चला कि इनसे जुड़े दस्तावेज जाली हैं। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात सहित अन्य संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है हालांकि अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है।

बजट सत्र से पहले 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई

28 को राष्ट्रपति का अभिभाषण

नईदिल्ली (एजेंसी)। बजट सत्र से पहले सरकार ने सियासी सहमति बनाने की कवायद तेज कर दी है। संसद सत्र की शुरूआत 28 जनवरी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लोकसभा और राज्यसभा की संयुक्त बैठक में अभिभाषण से होगी। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक 27 जनवरी को सुबह 11 बजे संसद भवन एनेक्सी के मुख्य समिति कक्ष में होगी। इस बैठक में सरकार और विपक्ष सत्र के एजेंडे पर अपनी-अपनी बात रखेंगे। 1 फरवरी को बजट, इतिहास में दुर्लभ मौका इस बार केंद्रीय बजट 1 फरवरी को पेश किया जाएगा, जो रविवार है। यह संसद के इतिहास में एक दुर्लभ अवसर माना जा रहा है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण लगातार नौवां बजट पेश करेंगी। बजट सत्र 2 अप्रैल तक चलेगा। सत्र का पहला चरण 13 फरवरी को समाप्त होगा, जबकि दूसरा चरण 9 मार्च से शुरू होगा। विपक्ष-सत्ता पक्ष आमने-सामने यह सत्र ऐसे समय में हो रहा है, जब विपक्षी कांग्रेस विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम को लेकर देशभर में अभियान चला रही है। कांग्रेस का कहना है कि यह कानून यूपीए काल की मनरेगा व्यवस्था की जगह लाया गया है। वहीं, भाजपा इस नए कानून को सुधारवादी बताते हुए पुरानी व्यवस्था की खामियां दूर करने की जरूरत पर जोर दे रही है। साफ है कि सत्र के दौरान इस मुद्दे पर तीखी बहस के आसार हैं।

के आगामी बजट सत्र से ठीक एक दिन पहले, 27 जनवरी को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बैठक में विधायी कार्यसूची और सत्र के दौरान उठने वाले अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। सरकार का उद्देश्य सत्र को सुचारु रूप से चलाना और सभी दलों की राय जानना है। बजट

पीएम मोदी ने 61 हजार से अधिक युवाओं को सौंपे नियुक्ति पत्र

कहा- युवाओं के लिए नए अवसर खोल रहे व्यापार समझौते

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के लिए विभिन्न देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। पीएम मोदी ने यह बात 18वें रोजगार मेले में कही जहां उन्होंने विभिन्न सरकारी नौकरियों के 61,000 नियुक्ति पत्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से सौंपे। मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से देश भर के 45 स्थानों पर रोजगार मेलों को संबोधित करते हुए कहा, "भारत कई देशों के साथ व्यापार और आवागमन संबंधी समझौते कर रहा है। ये व्यापार समझौते देश के युवाओं के लिए नए अवसर लेकर आ रहे हैं।" पीएम मोदी ने कहा कि दुनिया में युवाओं की सबसे

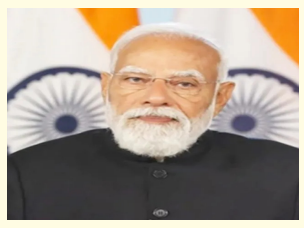

अधिक संख्या भारत में है और उनकी सरकार देश के भीतर और विदेश में युवाओं के लिए नए अवसर पैदा करने के प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि आज देश रिफॉर्म एक्सप्रेस पर चल पड़ा है। इसका उद्देश्य, देश में जीवन और कारोबार, दोनों को आसान बनाने का है। आज के इस आयोजन में 8 हजार से ज्यादा बेटियों को भी नियुक्ति पत्र मिले हैं। बीते 11 वर्षों में देश के वर्कफोर्स में, वीमेन पार्टिसिपेशन में करीब करीब दोगुनी बढ़ोतरी हुई है। भारत तेजी से एक बड़ी मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस के रूप में उभर रहा है। कई सेक्टर प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट दोनों में अभूतपूर्व ग्रोथ देख रहे हैं। 2014 से, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग छह गुना बढ़ गई है, जिससे यह आज 11 लाख करोड़ से ज्यादा का सेक्टर बन गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट भी 4 लाख करोड़ से ज्यादा हो गया है। ऑटोमोटिव इंडस्ट्री इसका एक और उदाहरण है, जो देश में सबसे तेजी से बढ़ते सेक्टरों में से एक के रूप में सामने आया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के एक बयान में कहा गया कि रोजगार मेला रोजगार सृजन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की प्रधानमंत्री की प्रतिबद्धता को साकार करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल है। बयान में कहा गया कि इसकी शुरूआत के बाद से देश भर में आयोजित रोजगार मेलों के माध्यम से 11 लाख से अधिक नियुक्ति पत्र जारी किए जा चुके हैं। इसमें बताया गया कि 18वां रोजगार मेला देश भर के 45 स्थानों पर आयोजित किया गया और भारत के सभी हिस्सों से चयनित नव-नियुक्त कर्मचारी सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों में शामिल हुए।

फिर से खुला श्रीनगर एयरपोर्ट, रनवे से बर्फ हटाने के बाद फिर से शुरू विमानों का परिचालन

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर हवाई अड्डे पर विमानों का परिचालन भारी बर्फबारी के कारण एक दिन तक स्थगित रहने के बाद शनिवार को फिर से शुरू हो गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, मौसम में सुधार होने के बाद भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने सीमा सड़क संगठन के साथ मिलकर शनिवार सुबह बर्फ हटाने का काम किया, जिसके बाद रनवे को दोबारा चालू कर दिया गया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को कश्मीर में हुई भारी बर्फबारी की वजह से रनवे पर बर्फ जमा हो गई थी, जिसके कारण हवाई अड्डे पर सभी उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। श्रीनगर हवाई अड्डे के एक अधिकारी ने बताया, ष्हवाई अड्डे पर परिचालन फिर से शुरू हो गया है और एक विमान अभी-अभी यहां उतरा है।ष उन्होंने बताया कि रनवे का संयुक्त निरीक्षण किए जाने के बाद उड़ानों के संचालन की अनुमति दी गई। अधिकारी ने उम्मीद जतायी कि अब हवाई अड्डे पर उड़ानों का संचालन सामान्य और सुचारू रूप से जारी रहेगा। हालांकि, अधिकारियों ने यह भी स्पष्ट किया कि शनिवार सुबह खराब मौसम के कारण इंडिगो की एक उड़ान रद्द करनी पड़ी।

'अजित पवार की एनसीपी का शरद पवार की पार्टी के साथ विलय होगा'

संजय राउत का बड़ा दावा

मुंबई (एजेंसी)। बीएमसी के मेयर पद को लेकर जारी खींचतान के बीच शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी और शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी एसपी का विलय होगा। राउत ने कहा कि अजित पवार दो नावों की सवारी नहीं कर सकते। शिवसेना यूबीटी नेता संजय राउत ने शनिवार को दावा किया कि एनसीपी के दोनों गुट एक साथ आएंगे और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार जल्द ही महा विकास अघाड़ी गठबंधन में लौट आएंगे, क्योंकि उनका दिल अपने परिवार के साथ है। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए राउत ने दावा किया कि सत्ताधारी एनसीपी का शरद पवार के नेतृत्व वाली ठउढ (ढ) में विलय हो भी गया है, क्योंकि दोनों पार्टियों ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों में 'घड़ी' चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा। संजय राउत ने एनसीपी के विलय का किया दावा संजय राउत ने कहा, 'हालांकि अजित पवार महायुति का हिस्सा हैं, फिर भी वह महा विकास अघाड़ी से जुड़े हुए

हैं। शरद पवार और अजित पवार महा विकास अघाड़ी के हिस्से के रूप में एक साथ आएंगे। अजित पवार दो नावों पर सवार नहीं हो सकते।' अजित पवार जुलाई 2024 में आठ विधायकों के साथ तत्कालीन एकनाथ शिंदे सरकार में शामिल हो गए थे, जिसके कारण एनसीपी में फूट पड़ गई थी। अजित पवार के नेतृत्व वाले गुट को पार्टी का नाम और 'घड़ी' चुनाव चिन्ह मिला, जबकि शरद पवार के गुट को अब एनसीपी (शरदचंद्र पवार) के नाम से जाना जाता है। एनसीपी के गुटों ने इस महीने की शुरूआत में पुणे और पिंपरी-चिंचवड़ में नगर निगम चुनावों के लिए गठबंधन किया था ।

'ऑपरेशन सिंदूर पर अपने बयान के लिए नहीं मांगूंगा माफी', शशि थरूर बोले- कभी नहीं छोड़ा पार्टी का रुख

कोझिकोड (केरल) (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संसद में कभी भी पार्टी के रुख का उल्लंघन नहीं किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सैद्धांतिक रूप से उनकी एकमात्र सार्वजनिक असहमति ऑपरेशन सिंदूर को लेकर थी। थरूर केरल लिटरेचर फेस्टिवल में आयोजित एक सत्र के दौरान सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर उन्होंने सख्त रुख अपनाया था और वह इस अब भी बिना किसी पछतावे के इस रुख पर कायम हैं। थरूर

को लेकर क्या अटकलें लगाई जा रहीं? उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब इस तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं कि पार्टी नेतृत्व के साथ उनके मतभेद चल रहे हैं। इन अटकलों में यह भी शामिल है कि कोच्चि में हुए एक हालिया कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से उन्हें पर्याप्त महत्व न दिए जाने और राज्य के नेताओं की ओर से कई बार उन्हें किनारे लगाने की कोशिशों से वे नाराज हैं। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर थरूर ने क्या कहा? अपने रुख को स्पष्ट करते हुए थरूर ने कहा कि एक पर्यवेक्षक और लेखक के रूप में उन्होंने पहलगाम की घटना के बाद एक अखबार में लेख लिखा था।

बंगाल में एसआईआर जल्दबाजी में किया जा रहा, खतरे में पड़ सकती है लोकतांत्रिक भागीदारी: अमर्त्य सेन

कोलकाता (एजेंसी)। नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने चेतावनी दी कि यह कार्यवाही जल्दबाजी में की जा रही है और इससे लोकतांत्रिक भागीदारी खतरे में पड़ सकती है, खासकर जब कुछ महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 92 वर्षीय अर्थशास्त्री ने बोस्टन से पीटीआई को दिए इंटरव्यू में चुनावी मतदाता सूची के संशोधन की लोकतांत्रिक महत्वता पर विचार साझा किया। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रक्रिया को सावधानी और पर्याप्त समय के साथ किया जाना चाहिए। बंगाल में ये दोनों शर्तें गायब हैं। सेन ने कहा, मतदाता सूची का गहन और सावधानीपूर्वक संशोधन, पर्याप्त समय देकर किया जाए तो यह एक अच्छी लोकतांत्रिक प्रक्रिया हो सकती है।

शांतिकुंज शताब्दी समारोह में शामिल होने पहुंचे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह, राज्यपाल ने भी की शिरकत

देहरादून (एजेंसी)। हरिद्वार में गायत्री तीर्थ शांतिकुंज में प्रज्वलित अखंड ज्योति और माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी समारोह के उपलक्ष में बैरागी कैंप में भव्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। आज शनिवार को केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आयोजन में शिरकत की। हरिद्वार के शांतिकुंज में अखंड ज्योति और माता भगवती देवी शर्मा के जन्म शताब्दी समारोह

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान पहुंचे। उनके साथ ही राज्यपाल गुरमीत सिंह ने भी आयोजन में शिरकत की। इससे पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सीएम पुष्कर सिंह धामी भी कार्यक्रम में शामिल हो चुके हैं। राजा दक्ष की नगरी कनखल के बैरागी द्वीप की भूमि पर अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज की ओर से आयोजित गायत्री परिवार की संस्थापिका माता भगवती देवी शर्मा व अखंड दीपक के शताब्दी समारोह का आयोजन किया जा रहा है।

77वें गणतंत्र दिवस परेड में भारतीय सेना का शौर्य, कर्तव्य पथ पर पहली बार युद्ध भूमि जैसा होगा अहसास

दिल्ली (एजेंसी)। गणतंत्र दिवस परेड में इस बार ऐतिहासिक कर्तव्य पथ पर पहली बार सेना की रणभूमि व्यूह रचना यानी 'बैटल ऐरे' की दुर्लभ झलक दिखाई देगी जिसमें सेना अपने सशक्त और भविष के किसी भी तरह के युद्ध के लिए तैयार स्वरूप का प्रदर्शन करेगी। यह ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को श्रद्धांजलि होगी। इसके अंतर्गत सेना के जवान पहली बार एक विशिष्ट और अनोखी रणभूमि व्यूह रचना बैटल एरे फार्मेशन में दिखाई देंगे। इसमें दर्शकों को आधुनिक युद्धक्षेत्र में एकीकृत,नेटवर्क-सक्षम और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लैस बल के रूप में सेना की तैनाती और

युद्ध प्रणाली की दुर्लभ झलक देखने को मिलेगी। सेना की झांकी में एक एकीकृत संचालन केंद्र को प्रदर्शित किया जाएगा, जो सुदर्शन चक्र के सुरक्षा कवच के अंतर्गत संयुक्त योजना, सटीक लक्ष्य निर्धारण और वायु रक्षा को दर्शाएगा, तथा यह बताएगा कि आधुनिक युद्धों की योजना और क्रियान्वयन वास्तविक समय में कैसे किया जाता है। परेड के इतिहास में पहली बार भारतीय सेना के मार्चिंग और यांत्रिक कॉलम को युद्ध-केंद्रित आक्रामक फार्मेशन में संगठित किया जाएगा जिसमें यह दिखाया जायेगा कि सैन्य अभियानों के दौरान बलों का उपयोग किस क्रम में किया जाता है। 'बैटल एरे' एक तैयार, सक्षम और त्वरित जवाबी कार्रवाई वाली भारतीय सेना को प्रतिबिंबित करता है, जिसमें खुफिया, निगरानी और टोही तत्त्व, यांत्रिक बल, विमानन संसाधन, स्पेशन फोर्स, तोपखाना, वायु रक्षा और लॉजिस्टिक्स को एक सुसंगठित संचालन ढांचे में एकीकृत किया गया है।

कश्मीर घाटी के लिए भारतीय रेलवे की हर मौसम में संपर्क सुविधा प्रतिकूल मौसम के बीच विश्वसनीय खाद्यान्न आपूर्ति सुनिश्चित करती है और माल परिवहन लागत को कम करती है

चावल से लदी 42 वैगन का पहला पूरा रैक अनंतनाग पहुंचा

गोरखपुर :खाद्यान्न (चावल) से भरी पहली पूरी मालगाड़ी (रैक) 22 जनवरी 2026 को अनंतनाग पहुंची, जो कश्मीर घाटी में माल परिवहन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और इस क्षेत्र में हर मौसम में चलने वाली रेल संपर्क सेवा की मजबूती को दशार्ती है। अपनी तरह की पहली उपलब्धि में भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के साथ निरंतर समन्वय के बाद रसद लागत को कम करते हुए 2,768 मीट्रिक टन चावल से भरी 42 वैगन वाली एक पूरी मालगाड़ी को अनंतनाग माल गोदाम तक पहुंचाया गया। पहले रेलवे द्वारा केवल 21 वैगन वाली छोटी मालगाड़ियां ही चलाई जाती थीं जिनमें 1,384 मीट्रिक टन अनाज होता था। लेकिन इस बार पूरी मालगाड़ी को 21 जनवरी को पंजाब के संगरूर रेलवे टर्मिनल से सफलतापूर्वक लोड किया गया जो 24 घंटे के भीतर अनंतनाग पहुंची। एक दिन पहले खराब मौसम के कारण माल उतारने में बाधा आने के बावजूद मालगाड़ी को सफलतापूर्वक लोड किया गया जिससे घाटी में अनाज की आपूर्ति और वितरण नेटवर्क को काफी मजबूती मिली।यह उपलब्धि कश्मीर घाटी में खाद्यान्न वितरण नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरूआत है। छोटी मालगाड़ियों और सड़क परिवहन से पूरी क्षमता वाली मालगाड़ियों में परिवर्तन से समग्र रसद और माल ढुलाई लागत में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है। इसके साथ ही आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही तेज और अधिक विश्वसनीय हो सकेगी। इससे घाटी में विशेष रूप से प्रतिकूल मौसम की स्थिति में पर्याप्त भंडार बनाए रखने में मदद मिलेगी और स्थानीय परिवारों के लिए खाद्यान्न की उपलब्धता में सुधार होगा। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भारी ट्रक यातायात पर निर्भरता कम होने से पर्यावरणीय लाभ और बेहतर कार्यकुशलता में भी योगदान मिलेगा। सेब, सीमेंट, उर्वरक और अब अनाज के सफल परिवहन के आधार पर, रेल आधारित माल परिवहन इस क्षेत्र में सतत आर्थिक गतिविधि, लचीलापन और दीर्घकालिक आपूर्ति श्रृंखला स्थिरता को बढ़ावा दे रहा है। ये घटनाक्रम स्वतंत्र भारत की सबसे महत्वाकांक्षी रेल इंजीनियरिंग परियोजनाओं में से एक उधमपुर-श्रीनगर-बारामूला रेल लिंक (यूएसबीआरएल) के परिवर्तनकारी प्रभाव को दशार्ते हैं। घाटी में हिमपात और चुनौतीपूर्ण शीत ऋतु के बावजूद बेहतर रेल संपर्क व्यापार और रसद को मजबूत कर रहा है जिससे किसानों, व्यापारियों और परिवारों को आवश्यक वस्तुओं की अधिक विश्वसनीय उपलब्धता सुनिश्चित करके सीधा लाभ मिल रहा है।

विधायक राजा जयप्रताप सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर वार्षिकोत्सव का किया शुभारम्भ

सिद्धार्थनगर जिले के बाँसी में स्थित तिलक इन्टर कालेज परिसर में शनिवार को वार्षिकोत्सव एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ।कार्यक्रम का शुभारम्भ

मुख्य अतिथि बांसी विधायक व पूर्व मंत्री जय प्रताप सिंह ने माता सरस्वती के प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया, विद्यालय के प्रबन्धक डॉ.अरविंद कुमार सिंह और प्रधानाचार्य डॉ धर्मेंद्र मिश्र द्वारा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया तथा अतिथियों के स्वागत में स्वागत गीत प्रस्तुत कर समस्त अतिथियों का स्वागत और अभिनंदन किया ।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए विधायक व पूर्व जयप्रताप सिंह ने कहा की शिक्षा राष्ट्र के विकास के लिए एक मजबूत नींव की तरह कार्य करती है। आज के समय में केवल किताबी ज्ञान ही नहीं बल्कि संस्कार, अनुशासन, नैतिक मूल्यों को जोड़ना भी आवश्यक है,साथ ही साथ नवीन तकनीक जैसे- ए.आई. को सीखना एवं सही इस्तेमाल भी बहुत जरूरी है। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर, अंगद और रावण संवाद, लवकुश जैसे नाटकों का मंचन किया जिसने सभी दर्शकों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला में देशभक्ति गीत, लोकगीत, लोकनृत्य एवं अन्य मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी गईं। गायन प्रतियोगिता में छात्राएँ रोली, महिमा, सुभावती और अंकिता ने ह्यए- बेटी हिन्दुस्तान कीह्न गीत की बहुत ही सुन्दर सामूहिक प्रस्तुति दी। विद्यार्थियों ने पूरे आत्मविश्वास एवं उत्साह के साथ मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी प्रस्तुतियों पर उपस्थित अतिथियों अभिभावकों और विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य धर्मेंद्र मिश्र द्वारा विद्यालय की प्रगति की आख्या प्रस्तुत की गई एव धन्यवाद ज्ञापित किया गया।इस अवसर पर सभाजीत धर द्विवेदी, मोहित श्रीवास्तव, बृजेश द्विवेदी, अशोक श्रीवास्तव, डॉ, राजेश कुमार उपाध्याय, डॉ॰ कृष्ण कुमार,हरिओम यादव, अर्जुन मौर्य, विजय बहादुर अंबेडकर, लोकपति सिंह, पूर्व प्रोफेसर कालिका प्रसाद त्रिपाठी, जोगी बाबा सहित सैकड़ों की संख्या में अभिभावक, अध्यापक, छात्र एवं स्थानीय नागरिक मौजूद रहे तथा कार्यक्रम का संचालन हरेंद्र बहादुर सिंह ने किया ।

मरीज बनकर अस्पताल में आए मनबढ़ उठा ले गए 28 लाख की चार डायलिसिस मशीन आपरेटर के मुंह-हाथ बांध दिए

मऊ। मऊ जिले में यह घटना काफी चर्चा का विषय बनी हुई है। चोरी के बाद कर्मचारी ने किसी तरह कर्मचारी ने इसकी जानकारी अन्य लोगों को दी। सूचना पाकर दक्षिणटोला थाने की पुलिस भी पहुंच गई। मऊ के दक्षिणटोला थाना क्षेत्र के हकीकतपुरा स्थित एक निजी अस्पताल में डायलिसिस मरीज बनकर आए चोरों ने अस्पताल के स्वास्थ्यकर्मी को बंधक बनाया। उसके बाद आराम से एक घंटे में 28 लाख कीमत का चार डायलिसिस मशीन को अपने साथ ले आए पिकप से उठा ले गए। उधर बंधक बने स्वास्थ्यकर्मी ने किसी तरह से खुद को मुंह पर लगे टेप को हटाकर आस पास के लोगों को शोर मचाकर इस घटना की जानकारी दी। यह पूरी घटनाक्रम अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरे के फुटेज में कैद हो गई। जानकारी के अनुसार हकीकतपुरा निवासी अबू सलमा ने बताया कि भीटी के डाक्टर पंकज सिंह एग्रीमेंट पर उसके अस्पताल का संचालन करते है। बृहस्पतिवार की देर रात करीब 12 बजे दो तीन युवक डायलिसिस के एक मरीज का बहाना बनाकर सेंटर पर पहुंचे। उस समय डायलिसिस कर रहे आपरेटर बृजराज चौहान किसी दूसरे एक मरीज का डायलिसिस करने की बात कहकर उन्हें इंतजार करने को कहा।

गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 का आगाज, कानपुर ने आजमगढ़ को 7 विकेट से हराया

सिद्धार्थनगर जिले के वीरेंद्र ग्रामीण स्टेडियम छतहरी शोहरतगढ़ में शनिवार को सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित गौतम बुद्ध ऑल इंडिया क्रिकेट प्रतियोगिता सीजन-4 का शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मुकाबले में कानपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आजमगढ़ को 7 विकेट से पराजित किया।टॉस जीतकर कानपुर के कप्तान दिव्यांश सिंह ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी आजमगढ़ की टीम 14.1 ओवर में मात्र 90 रन पर सिमट गई। आजमगढ़ की ओर से सुनील कुमार ने 24 रन, ध्रुव तोमर ने 19 रन और धनंजय यादव ने 17 रन बनाए। कानपुर की तरफ से दानवीर ने 3 विकेट झटके, जबकि हिमांशु, राहुल और सुमित को दो-दो विकेट मिले।91 रनों के लक्ष्य का

पीछा करने उतरी कानपुर की टीम ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 9.4 ओवर में 3 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। राहुल सिंह ने 35 रन की शानदार पारी खेली, जबकि हर्षित सिंह ने नाबाद 29 रन और सौरभ दिवाकर ने नाबाद 12 रन का योगदान दिया। आजमगढ़ की ओर से यशवर्धन युवराज और अखंड को एक-एक विकेट मिला।उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राहुल सिंह को ह्यमैन ऑफ द मैचह्ल का पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्याम सुंदर चौधरी (पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष, शिवपति पीजी कॉलेज शोहरतगढ़ एवं पूर्व प्रधान गड़ाकुल ने फीता काटकर किया। और उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक विकास में भी सहायक होता है और युवाओं को हार-जीत की परवाह किए बिना खेल भावना के साथ खेलना चाहिए।मैच में अंपायर की भूमिका राहुल सिंह और सत्येंद्र सिंह उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन ने निभाई। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अनवर सिद्दीकी प्रयागराज ने कमेंट्री की। स्कोरिंग की जिम्मेदारी विशाल यादव और विशाल मौर्य ने संभाली, जबकि लाइव टेलीकास्ट अजय द्वारा किया गया।इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष श्याम सुंदर चौधरी, सिद्धार्थनगर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष उमेश प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शोहरतगढ़ रवि अग्रवाल, मनीष श्रीवास्तव, विवेक त्रिपाठी, विपिन त्रिपाठी, बेचन प्रसाद, केशव यादव, राहुल चौधरी, चंदन पांडे, वकील खान, बाबूजी अंसारी, शरदेंदु त्रिपाठी, चिंटू, गुलाम गौस, संजय मिश्रा, संजय कसौधन सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, नकहा जंगल पर उर्वरक (यूरिया) की लोडिंग का दृश्य

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे पर माल ढुलाई को तेज और सुगम बनाने, लॉजिस्टिक्स लागत में कमी लाने, रेल राजस्व में वृद्धि, उद्योगों को बढावा देने, क्षेत्रीय आर्थिक विकास को गति देने एवं मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी प्रदान करने तथा पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु गति शक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित किये जा रहे है। इसी क्रम में, पूर्वोत्तर रेलवे पर भी 04 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल प्रारंभ किया जा चुका है, जो कि सुचारू रूप से कार्यशील हैं। 09 कार्गो टर्मिनल स्थापित किये जाने का कार्य प्रगति पर है। 04 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल जिसमें हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड, नकहा जंगल जहाँ पर उच्च गुणवत्ता के उर्वरक (यूरिया) की लोडिंग, अंकुर उद्योग लिमिटेड, सहजनवा से लौह (सरिया) की लोडिंग के साथ ही कोयले की अनलोडिंग एवं अडाणी एग्री लॉजिस्टिक लिमिटेड, जसोदा में भण्डारण हेतु खाद्यान्न की अनलोडिंग, नेशनल कोलेटरल मैनेजमेंट सर्विस, लखनऊ में खाद्यान्न की अनलोडिंग की जाती है। इसके अतिरिक्त इस रेलवे पर 09 गति शक्ति कार्गो टर्मिनल स्थापित किये जाने का कार्य प्रगति पर है, जिसमें कान साइलोस गोरखपुर प्राइवेट लिमिटेड, कैम्पियरगंज, टीआरडी इन्फ्रा

प्राइवेट लिमिटेड, भोपतपुर, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हथुआ, अवनी परिधि माइनिंग एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड, अटरिया स्टेशन (लखनऊ), अवनी परिधि माइनिंग एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड, हंडिया खास, अवनी परिधि माइनिंग एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड, चौरी-चौरा, अवनी परिधि माइनिंग एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड, सठियांव, अवनी परिधि माइनिंग एंड मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड, शहबाजनगर तथा दिल्ली इंटरनेशनल कार्गो टर्मिनल प्राइवेट लिमिटेड, रूद्रपुर सिटी सम्मिलित है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल से लोडिंग/अनलोडिंग का कार्य आधुनिक मशीनों से होती है, जिससे समय की बचत होती है और माल जल्दी गंतव्य तक पहुँचता है। एक ही केन्द्र से माल बुक करने तथा रेल/सड़क कनेक्टिविटी बेहतर होने से ट्रांसपोर्ट की लागत घटती है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल से सीमेंट, पेट्रोलियम उत्पाद, उर्वरक, अनाज, एफएमसीजी आदि उद्योगों को सीधे टर्मिनल से जोड़कर उत्पादों की आपूर्ति करना आसान होता है। स्थानीय व्यापार, कृषि उत्पादों और छोटे उद्योगों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ने में मदद मिलती है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और पर्यावरण के अनुकूल परिवहन सुविधा होने से सड़क की तुलना में रेल से माल ढुलाई में ईंधन की खपत और प्रदूषण कम होता है। गति शक्ति कार्गो टर्मिनल न सिर्फ माल ढुलाई को आधुनिक और किफायती बनाते हैं, बल्कि क्षेत्रीय विकास, रोजगार सृजन और रेलवे की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का हुआ आयजन

सिद्धार्थनगर जिले में विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश ह्यउत्तर प्रदेश स्थापना दिवसह्ल एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर गृहमंत्री भारत सरकार अमित शाह, राज्यपाल उ0प्र0 श्रीमती आनन्दी बेन पटेल एवं मुख्यमंत्री उ0प्र0 योगी आदित्यनाथ का लाइव कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका लाइव प्रसारण लोहिया कलाभवन में मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग महेश कुमार शुक्ल, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरगतढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, वरिष्ट पुलिस अधीक्षक डा0 अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में द्वीप प्रज्ज्वलित कर ह्यउत्तर प्रदेश स्थापना दिवसह्ल तथा राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी प्रर्दशनी का अवलोकन किया गया। उत्तर प्रदेश स्थापना दिवसह्ल तथा राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम का जनप्रतिनिधिगण को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया गया। स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। उत्तर प्रदेश दिवसह्ल तथा राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्ग्रक्रम के अवसर पर उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग महेश कुमार शुक्ल ने सभी को उ0प्र0 स्थापना दिवस की बधाई दी। विकासित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय बालिका दिवस पर आप सभी लोग अवगत है, भारत पहले गुलाम था। देश के आजादी दिलाने के लिए हमारे वीर सपूतों ने अपनी कुबार्नी देकर देश के आजाद कराया। पं0 दीनदयाल उपाध्याय का सपना भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा साकार किया जा रहा है। समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को लाभ दिया जा रहा है। आज पात्र व्यक्तियों को पक्का मकान दिया जा रहा है। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ रहा है इससे अच्छी कनेक्टिविटी होगी तथा रोजगार भी बढ़ेगा। हर जनपद में एक मेडिकल कालेज बन रहा है। हमे अपने विरासत पर गर्व है। सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज उत्तर प्रदेश अग्रणी प्रदेश बन रहा है। विकास भारत विकसित उत्तर प्रदेश आज हम संकल्प लेते है कि उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थनगर को नम्बर एक बनायेंगे। हमारे जिले की पहचाल भगवान बुद्ध एवं काला नमक चावल से हो रही है। महिलाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। आज हमारी बेटियां हर क्षेत्र में आगे उड़ान भर रही है। उ0प्र0 सरकार कन्या भ्रूण हत्या रोकने में सफल है। आज देश में बदलाव आ रहा है बेटिया किसी भी क्षेत्र में बेटो से पीछे नही है। पहले की अपेक्षा अब लोगो की सोच भी बदली है तथा बेटियों को हर क्षेत्र में छूट दी जा रही है तथा वे प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही है। भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओ को आगे बढ़ाने में योगदान दिया जा रहा है। लोग बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रही है। सरकार द्वारा अनेक हेल्पलाइन नम्बर शुरू किया गया है जिससे किसी भी समय टोलफ्री नम्बरो पर कॉल करके सहायता प्राप्त कर सकती है। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा ने ह्यउत्तर प्रदेश स्थापना दिवसह्ल तथा राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि उ0प्र0 राज्य स्थापना दिवस आज हम तथागत गौतम बुद्ध की धरती पर मना रहे है। आज हमारी बेटियां केवल बेटिया ही नही भारत का भविष्य है। भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा बृहद स्तर पर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओं अभियान चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री जी द्वारा समाज के सभी वर्गो को जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान ने कहा विभिन्न क्षेत्रों में महिलाये आगे बढ़ रही है। विभिन्न योजनाओ के माध्यम से लाभ पहुंचाया जा रहा है। महिलाएं विभिन्न क्षेत्रो में आत्मनिर्भर हो रही है। घर परिवार के साथ-साथ देश/प्रदेश को भी मजबूत कर रही है। इस जनपद के लोगो में प्रतिभाओ के लोग रहते है उन्हे सही दिशा देने की आवश्यकता है। सभी भी को उ0प्र0 दिवस तथा राष्ट्रीय बालिका दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दी। मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह ने उत्तर प्रदेश दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग महेश कुमार शुक्ल, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरगतढ़ विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान एवं जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण का कार्यक्रम में उपस्थित होने पर उनका अभिवादन कर आभार प्रकट किया गया तथा साथ ही साथ धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस अवसर पर पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, युवा उद्यमी, स्वास्थ्य विभाग डाक्टर, ए.एन.एम., खादी ग्रामोद्योग विभाग, पंचायती राज विभाग ग्राम प्रधान व सचिव, उद्यमी, राज्य कर विभाग, युवा कल्याण विभाग को मुख्य अतिथि उपाध्यक्ष गौसेवा आयोग महेश कुमार शुक्ल, सांसद डुमरियागंज जगदम्बिका पाल, मा0 विधायक कपिलवस्तु श्यामधनी राही, विधायक शोहरगतढ़ श विनय वर्मा, जिलाध्यक्ष भाजपा कन्हैया पासवान, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह द्वारा संकेतक चेक, प्रशस्ति-पत्र, एवं अंग वस्त्र दिया गया। काला नमक मार्ट का लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर उपरोक्त के अतिरिक्त सांसद डुमरियागंज प्रतिनिधि एसपी अग्रवाल, जिलाध्यक्ष अपना दल श्याम सुन्दर चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 रजत कुमार चौरसिया, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, डीसी मनरेगा सन्दीप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक अरूण कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय सिंह, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला उद्यान अधिकारी विमल कान्त, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गंगाधर दूबे, उपायुक्त राज्यकर सिद्धार्थ सौरभ, लीडबैक अधिकारी आर0के0 सिन्हा, जिला पर्यटन सूचना अधिकारी प्रिया सिंह, अधिकारी/कर्मचारी, विभिन्न विद्यालयों के छात्र/छात्राओ, स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, अध्यापको आदि की उपस्थिति रही।

संक्षिप्त खबरें

महिला सशक्तिकरण को लेकर स्कूली छात्र-छात्राओं को पुलिस ने किया जागरूक

सिद्धार्थनगर जिले के बांसी पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन द्वारा

ह्यमहिला सशक्तिकरण ,एंटी रोमियो व महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानह्ल के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में व प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व पवीन प्रकाश क्षेत्राधिकारी इटवा के कुशल पर्यवेक्षण में को रामदेव थानाध्यक्ष गोल्हौरा के नेतृत्व में थाना गोल्हौरा मिशन शक्ति टीम उ0नि0 दीनदयाल सिंह, मु0आ0विनोद कुमार, आ0 रंजीत यादव, म0आ0 तृप्ति चौबे द्वारा थाना क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर एण्टीरोमियो चेकिंग किया गया व चौधरी इंटरनेशल स्कूल बघनी में जाकर छात्र/छात्राओं को जागरुक किया गया तथा महिला सुरक्षा, गुड टच, बैड टच व साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी दी गयी तथा हेल्पलाईन नं0 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर क्राइम हेल्प लाइन के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी ।

पुलिस व एसएसबी की संयुक्त टीम आगामी गणतंत्र दिवस पर बार्डर का निरीक्षण किया

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम

में, प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा मय मोहाना पुलिस फोर्स व एसएसबी के साथ आगामी गणतंत्र दिवस के दृष्टिगत सतर्कता एवं सुरक्षा को सुदृढ़ बनाए रखने हेतु इंडो नेपाल बॉर्डर ककरहवा में उरउ/उरउ केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया गया तथा आवश्यक दिशा निर्देश से अवगत कराया गया । इसी क्रम में ककहरवा बॉर्डर अंतर्गत भारत-नेपाल अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर पैदल गश्त/चेकिंग कर आम जनमानस में सुरक्षा का एहसास कराया गया।

बाल विवाह रोकथाम को लेकर चलाया गया जागरूकता अभियान

सिद्धार्थनगर जिले में मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान द्वारा इंडो नेपाल बॉर्डर पर स्थित पुलिस चौकी खुनुवा परिसर में शनिवार को बाल विवाह रोकथाम को लेकर एक जागरूकता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उपनिरीक्षक राजकुमार ने की। इस अवसर पर संस्थान के ब्लॉक लीडर ऑफिसर अमन

शर्मा ने धर्म गुरुओं एवं मिठाई व टेंट व्यवसाय से जुड़े दुकानदारों को बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी।अभियान के दौरान उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह न करने और इसे रोकने की शपथ दिलाई गई। वक्ताओं ने बताया कि बाल विवाह न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास को प्रभावित करता है? बल्कि यह समाज की प्रगति में भी बाधा बनता है।कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज में बाल विवाह के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा बाल विवाह मुक्त समाज की दिशा में सामूहिक सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। इस अवसर पर उपनिरीक्षक राजकुमार,सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्रधानाचार्य बुद्धिसागर, सचमुच त्रिपाठी, प्रमिला मिश्रा, प्रमोद चौधरी, नीतू भारती सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी ने बाल विवाह उन्मूलन के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

महिला संबंधी अपराध, गुड-टच, बैड-टच, साइबर अपराध व उससे बचाव के संबंध मे जागरूकता

सिद्धार्थनगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं के सुरक्षा एवं जागरूकता अभियानह्ल के संबंध में दिए गए निर्देश के क्रम में प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक व विश्वजीत शौरयान क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में

प्रभारी निरीक्षक हरें कृष्ण उपाध्याय थाना उसका बाजार के नेतृत्व में थाना उसका बाजार मिशन शक्ति टीम द्वारा थाना क्षेत्र के पुर्व माध्यमिक विद्यालय ग्राम उटिया मे जाकर छात्र/छात्राओं को महिला संबंधी अपराध, गुड-टच, बैड-टच, साइबर अपराध व उससे बचाव के संबंध मे जागरूक किया तथा खुद के साथ होने वाले अपराध से बचने के बारे मे जानकारी दी गयी । मा0 मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश के सभी थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्र जहां पर अपनी समस्या को दर्ज करा सकती हैं के बारे में जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति फेज 5.0 के विषय मे महिलाओं/बालिकाओं को महिला सम्वन्धी अपराध पर अंकुश लगाने हेतु जारी हेल्प लाइन 1090 वुमेन पावर लाइन, 181 महिला हेल्प लाइन, 1076 मुख्यमंत्री हेल्प लाइन, 112 पुलिस हेल्प लाइन, 1098 चाईल्ड केयर लाइन, 108 एम्बुलेंस हेल्प लाइन, 101 अग्निशमन हेल्प लाइन, 14567 एल्डर हेल्पलाइन, 1930 साइबर हेल्पलाइन नंबर नए कानून के बारे उप निरीक्षक जयप्रकाश पांडे थाना ,हे0का0 अनिल चौहान,म0का0 कालिंदी यादव

अविमुक्तेश्वरानंद मामले में लखनऊ में लगी होर्डिंग

लखनऊ (संवाददाता)। प्रयागराज की हालिया घटना को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता शरद शुक्ला ने होर्डिंग लगाकर धार्मिक और नैतिक संदर्भों के साथ अपनी प्रतिक्रिया दी है। पोस्टर में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को परमाराध्य बताते हुए उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया है। घटना को लेकर तीखी टिप्पणी की है। शरद शुक्ला ने होर्डिंग में मनुस्मृति और रामचरितमानस के श्लोकों का उल्लेख किया गया है। मनुस्मृति का श्लोक उद्धृत करते हुए कहा गया है कि गुरु या वेदाचार्य का अपमान करने वाले को घोर परिणाम भुगतने पड़ते हैं। रामचरितमानस की पंक्तियों के जरिए कहा है कि जब किसी से प्रभु की कृपा हटती है, तो उसकी बुद्धि पहले ही हर ली जाती है। होर्डिंग में ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश वरानंद सरस्वती को परमाराध्य बताते हुए उन्हें कोटिशः प्रणाम किया है। शरद शुक्ला ने साफ किया कि वह शंकराचार्य के सम्मान और सनातन परंपराओं के पक्ष में खड़े हैं। किसी भी तरह के अपमान को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस नेता शरद शुक्ला ने प्रयागराज की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज में वैमनस्य फैलाने का काम करती हैं। उन्होंने अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता पक्ष और विरोधियों पर निशाना साधते हुए नैतिक और धार्मिक मूल्यों की याद दिलाई है।

सामाजिक संस्थाओं, संगठनों और मंदिरों में मनी बसंत पंचमी

मां सरस्वती की पूजा कर मांगा बुद्धि का वरदान

ग्वालियर

बसंत पंचमी का उत्सव शुक्रवार को शहर में सामाजिक संस्थाओं और संगठनों द्वारा श्रद्धा भाव के साथ मनाया गया। मंदिर और घरों में सरस्वती जी का पूजन कर सुंदर श्रृंगार किया और विद्या व बुद्धि का वरदान मांगा। इस मौके पर भक्तों ने सरस्वती जी को पीले पुष्प अर्पित कर पीली वस्तुओं का भोग लगाया। पूजा के बाद प्रसाद का वितरण किया गया। वहीं शहर में सामूहिक विवाह भी कराए गए।

भगवान चक्रधर का हुआ वसंती श्रृंगार: श्री सनातन धर्म मंदिर में भगवान चक्रधर और गिरिराजधरण का वसंती श्रृंगार किया गया। मुख्य पुजारी पंडित रमाकांत शास्त्री ने भगवान चक्रधर को सुनहरी पगड़ी, बसंती वस्त्र, बसंती दुपट्टा, वसंती पिछवाई एवं वसंती पुष्प मालाएं धारण करा कर मनमोहक श्रृंगार किया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पीले वस्त्र धारण कर भगवान चक्रधर को भी वसंती वस्तुओं का दान समर्पित किया। आरती उपरांत सभी भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया।

यह भी हुए कार्यक्रम

▶▶मिथिला सरस्वती पूजा समिति ग्वालियर द्वारा मानस भवन फूलबाग में सरस्वती पूजन किया गया। शाम 5 बजे महिला संगीत हुआ। आरती उपरांत प्रसाद वितरण किया।

▶▶हकीम देवी प्रसाद रामप्यारी न्यास कायस्थ छात्रावास दौलतगंज लश्कर ग्वालियर में विद्यारंभ संस्कार अर्थात पट्टी पूजन का कार्यक्रम हुआ। यह संस्कार विद्वान राजेश्वर राव द्वारा संपन्न कराया गया।

▶▶श्री अचलेश्वर महादेव सार्वजनिक न्यास द्वारा सर्वजातीय सामूहिक विवाह समारोह के अंतर्गत 8 कन्याओं का विवाह कराया गया। इन कन्याओं को गृहस्थी के 31 सामान दिए गए।

▶▶व्हीआईएसएम ग्रुप ऑफ स्टडीज ग्वालियर में संस्थान के परिसर में स्थित गुरूबख्श सिंह सभागार को पीले रंग की सजावट से सजाया गया, जो बसंत ऋतु के आगमन का प्रतीक है। विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक रूप से मां सरस्वती की वंदना की गई। इसके पश्चात् विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन डॉ. सुनील राठौर ने कहा कि बसंत पंचमी हमें ज्ञान, सृजनात्मकता और सकारात्मक सोच का संदेश देती है।

▶▶दिल्ली पब्लिक स्कूल में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य छात्रों को वसंत पंचमी के बारे में बताना था। विद्यालय के छात्र लविश आनंद द्वारा वसंत ऋतु में प्रकृति व मानव मन में होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों व मानव जीवन में ज्ञान के महत्व को बताया। विद्यालय की प्रोवाइस चेयरपर्सन अर्चना डालमिया ने सभी छात्रों, परिवारजनों व डीपीएस परिवार के सभी सदस्यों को शुभकामनाएं दीं।

▶▶आर्यावर्त सेना महिला मोर्चा द्वारा विज किड्स इंटरनेशनल स्कूल में नन्हे विद्यार्थियों के साथ सरस्वती पूजन किया। आयोजन का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, शिक्षा और संस्कारों से जोड़ना रहा।

▶▶बेटी है तो कल है सामाजिक संस्था द्वारा शकुंतलापुरी स्थित इन्फेंट पब्लिक स्कूल में सरस्वती पूजन किया गया। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष जयप्रकाश राजोरिया, डॉ. वंदना भूपेन्द्र प्रेमी, लता सिंह, ऊषा मुकेश मौर्य उपस्थित रहे।

50 विद्यार्थियों को मिली रेंजर साइकिलें: बसंत पंचमी के पावन अवसर पर आईएससीआई फाउंडेशन द्वारा संचालित पेडल्स फॉर प्रोग्रेस अभियान के अंतर्गत ग्वालियर के आठ शासकीय विद्यालयों के 50 छात्र-छात्राओं को रेंजर साइकिलें वितरित की गईं। यह कार्यक्रम ट्रेलिक्स इंडिया के साथ सीएसआर साझेदारी में शिंदे की छावनी स्थित शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित हुआ।

राग बसंत से हुआ बसंत पंचमी का स्वागत, झप ताल में गूंजा 'भवानी दयानी'

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में वसंत पंचमी उत्सव संगीत की सुरमयी छटा के साथ मनाया गया। कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं गुरुजनों ने मां सरस्वती को समर्पित वंदनाएं, भजन एवं शास्त्रीय प्रस्तुतियां दीं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ संगीतज्ञ श्रीराम उमड़ेकर रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अखिलेश अहिरवार ने राग अहीर भैरव में सुमधुर गायन से की। उन्होंने 'मनवा तू जागत रहियो' तथा द्रुत एकताल में 'बेगी बेगी आओ सुंदर' की बंदिश प्रस्तुत की। इसी क्रम में डॉ. श्याम

रस्तोगी ने सुरबहार वाद्य पर डागर परंपरा की ध्रुपद शैली को जीवंत किया। उन्होंने राग सरस्वती में आलाप, जोड़ व झाला के बाद सूल ताल में बंदिश प्रस्तुत की। पखावज पर जयवंत गायकवाड़ ने संगति की। इसी क्रम में सुजल जैन ने राग वसंत बहार में मनोहारी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अशोक आनंद, चंद्र प्रताप सिकरवार, निरुपम निवासकर, कुलसचिव अरुण सिंह चौहान, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, डॉ विकास विपट, कुलदीप पाठक आदि उपस्थित रहे।

शब्द राष्ट्र निर्माण का अस्त्र है : नाफड़े

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, एसएलपी शासकीय महाविद्यालय मुरार में बसंत पंचमी पर्व, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती तथा भारतीय शिक्षण मंडल द्वारा युवा गतिविधि के अंतर्गत आयोजित लेख लेखन प्रतियोगिता के पोस्टर का विमोचन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में भारतीय शिक्षण मंडल के अखिल भारतीय संयुक्त महामंत्री पंकज नाफड़े उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एसएस तोमर ने की। मुख्य अतिथि प्रो. राजकुमार आचार्य ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि सुभाष चंद्र बोस का जीवन त्याग, साहस और राष्ट्र के लिए सर्वस्व अर्पण की प्रेरणा देता है। विशिष्ट अतिथि पंकज जी नाफड़े ने कहा कि लेखन केवल शब्दों का संयोजन नहीं, बल्कि राष्ट्रनिर्माण का अस्त्र है। हिंदी विभाग के प्राध्यापक डॉक्टर विजय शर्मा द्वारा अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया और इस कार्यक्रम के आयोजन में उनकी विशिष्ट भूमिका रही ।

आत्मा से परमात्मा को जोड़ती है विद्या

जीवाजी विश्वविद्यालय में सरस्वती प्रकटोत्सव पर पूजन, सम्मान एवं महाआरती का आयोजन किया। कुलगुरु प्रो. राजकुमार आचार्य ने कहा कि आज ही के दिन विद्यादायनी मां सरस्वती का जन्म हुआ था। विद्या आत्मा को परमात्मा से जोड़ती है, जिससे व्यक्ति अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा, यतेंद्र शर्मा, प्रशांत सिंह, द्वारका प्रसाद झा, जयराम रजक आदि उपस्थित रहे।

सरस्वती शिशु मंदिर सिद्धेश्वर नगर मुरार में भैया-बहनों का विद्याराम संस्कार हुआ। प्राचार्य हिम्मत सिंह चौहान ने अतिथि परिचय कराया। अतिथि स्वागत नवनीत पचौरी ने किया। इस मौके पर भैया-बहनों को 16 संस्कारों से अवगत कराया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में श्रीमती मनीषा शर्मा, सुरेंद्र सिंह तोमर आदि उपस्थित रहे। संचालन लक्ष्मी सेंगर और आभार पूनम राजावत ने व्यक्त किया।

318 ब्राह्मणों के बायोडाटा स्मारिका का विमोचन

सकल ब्राह्मण महासमिति के तत्वावधान में सनातन धर्म मंदिर चक्रधर सभागार में सरस्वती पूजन हुआ और पीले चावल वितरित किए गए। इसके बाद 318 ब्राह्मणों के बायोडाटा स्मारिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर एक रिश्ता भी तय हुआ। अध्यक्षता डॉ. जयवीर भारद्वाज ने की। अतिथियों का स्वागत हिमेश दंडोतिया ने किया।

तालाबंदी के बाद मौके पर जमा हुए करीब दो लाख रुपए

ग्वालियर

नगर निगम द्वारा बकाया संपत्तिकर की वसूली को लेकर सख्त रुख अपनाया जा रहा है। उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव के नेतृत्व में शुक्रवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों में तालाबंदी की कार्रवाई की गई, जिससे बकायादारों में हड़कंप मच गया।

राजस्व निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि पटरी रोड स्थित संपत्ति जो शांति देवी नरवरिया, पत्नी शेर सिंह नरवरिया के नाम दर्ज है, उस पर 1,06,997 का संपत्तिकर बकाया था। बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद कर जमा न होने पर निगम अमले द्वारा तालाबंदी की कार्रवाई की गई। तालाबंदी के तुरंत बाद भवन स्वामी द्वारा मौके पर ही 94,084 की राशि ऑनलाइन जमा कराई गई, जिसके पश्चात नियमानुसार ताला खोल दिया गया।

इसके अतिरिक्त वार्ड 60 में भी एक अन्य बकायादार संपत्ति पर तालाबंदी की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान संबंधित भवन स्वामी ने 1,00,000 (एक लाख रुपये) की नगद राशि मौके पर ही नगर निगम में जमा कराई।

उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव ने स्पष्ट किया कि नगर निगम का लक्ष्य किसी को परेशान करना नहीं बल्कि राजस्व वसूली सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि जिन संपत्ति स्वामियों ने अभी तक बकाया कर जमा नहीं किया है, वे स्वेच्छा से समय रहते कर जमा करें, अन्यथा इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

केदारपुर की 1.323 हेक्टेयर शासकीय भूमि से हटाया अतिक्रमण

सात करोड़ की जमीन को कराया मुक्त, अवैध कॉलोनी व निर्माण ध्वस्त

ग्वालियर

जिले में शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत प्रशासन द्वारा शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की गई। जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर एसडीएम झांसी रोड अतुल सिंह के नेतृत्व में राजस्व विभाग की टीम ने शहर से सटे ग्राम केदारपुर स्थित 1.323 हेक्टेयर बेशकीमती सरकारी जमीन से अतिक्रमण हटवाया। इस भूमि की अनुमानित कीमत लगभग 7 करोड़ रुपए बताई जा रही है।

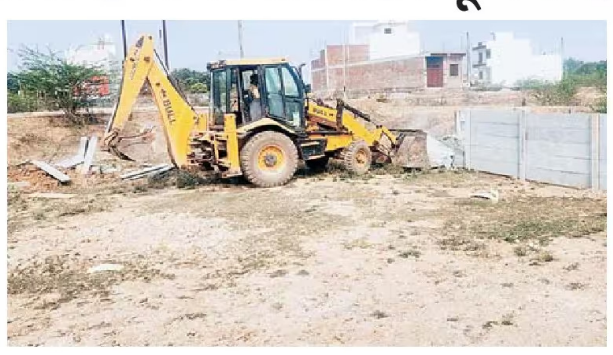

एसडीएम अतुल सिंह ने बताया कि ग्राम केदारपुर में स्थित शासकीय भूमि खसरा क्रमांक 24, रकबा 0.978 हेक्टेयर पर अतिक्रमण कर तार फेंसिंग कर ली गई थी। मौके पर पहुंची टीम ने पुलिस व नगर निगम के मदाखलत दस्ते की मदद से तार फेंसिंग हटाकर भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया। इसके अलावा खसरा क्रमांक 178 (0.115 हेक्टेयर), 179 (0.021 हेक्टेयर) एवं 180 (0.209 हेक्टेयर) कुल 0.345 हेक्टेयर शासकीय भूमि पर अतिक्रमणकारियों द्वारा अवैध कॉलोनी विकसित करने का प्रयास किया जा रहा था। अतिक्रमणकारियों ने यहां बाउंड्रीवॉल एवं पक्की सीसी रोड का निर्माण भी कर लिया था। प्रशासनिक टीम ने मशीनों की सहायता से सभी अवैध निर्माणों को मौके पर ही ध्वस्त करा दिया। कार्रवाई के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल भी तैनात रहा। कार्रवाई में तहसीलदार कुलदीपक कुमार दुबे, अपर तहसीलदार शिवदत्त कटारे, नायब तहसीलदार रमाशंकर सिंह, थाना प्रभारी झांसी रोड शक्ति सिंह, नगर निगम मदाखलत प्रभारी सतेन्द्र भदौरिया सहित राजस्व, पुलिस एवं नगर निगम के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

आर्यभट्ट छात्रावास में रैगिंग, यूजीसी हेल्पलाइन में हुई शिकायत

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट छात्रावास में रैगिंग का एक मामला सामने आया है। इसमें छात्रों ने अपने सीनियर छात्रों की शिकायत विश्वविद्यालय प्रबंधन से न करते हुए यूजीसी हेल्पलाइन पर की है। यूजीसी ने यह शिकायत जीवाजी विश्वविद्यालय को भेजी है, अब जीवाजी विश्वविद्यालय ने मामले की जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी जीवाजी विश्वविद्यालय में रैगिंग की शिकायतें हो चुकी हैं लेकिन बाद में यह मामले मारपीट के निकले। जीवाजी विश्वविद्यालय के आर्यभट्ट छात्रावास में फार्मेसी अध्ययनशाला के विद्यार्थी रहते हैं, इनमें प्रथम वर्ष के एक विद्यार्थी ने शिकायत की है कि द्वितीय और चौथी वर्ष के विद्यार्थियों ने उसे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया है। यह सीनियर छात्र उन्हें कमरे पर बुलाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करते थे। इस शिकायत की जानकारी मिलते ही जानकारी आर्यभट्ट के प्रबंधन को दी गई है और प्रारंभिक जानकारी जुटाने के लिए कहा गया है। इसके बाद एंटी रैगिंग कमेटी और प्रॉक्टोरियल बोर्ड भी मामले की जांच करेगा। इसमें दोनों पक्षों के विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बुलाया जाएगा। दोनों पक्षों को सुनने और अन्य तथ्यों को जुटाकर कार्रवाई की जाएगी।

दिन भर छाए रहे बादल, बूंदें भी गिरीं, आज कोहरा और बूंदाबांदी की उम्मीद

ग्वालियर

पिछले कुछ दिनों से दिन में तेज धूप थी। लेकिन शुक्रवार को मौसम में बदलाव देखने को मिला। दिन भर बादलों ने डेरा जमाए रखा। बीच-बीच में बूंदाबांदी भी होती रही। इससे मौसम सुहाना रहा। हालांकि तापमान में बढ़ोत्तरी हुई। अधिकतम तापमान 27.2 डिग्री सेल्सियस रहा, यह गुरुवार की अपेक्षा 0.6 डिग्री सेल्सियस ज्यादा था। वहीं न्यूनतम तापमान 13.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह गुरुवार की अपेक्षा 4.5 डिग्री सेल्सियस अधिक था। शुक्रवार को सुबह से ही आसमान में बादलों ने डेरा डाल दिया। दोपहर में कभी धूप और कभी छांव का खेल चलता रहा। शाम को बादल घने हुए और बूंदाबांदी भी हुई। शनिवार को भी ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना और श्योपुर में बादल, हल्की बारिश और कोहरा होने की संभावना जताई जा रही है।

वाहन चोर पकड़ा, 5 मोटरसाइकिलें बरामद

भितरवार। वाहन चोरी के मामलों में पुलिस को सफलता हाथ लगी है, पुलिस ने 5 चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान गोविंद उर्फ धर्मेंद्र पुत्र गंगाराम निवासी गड़ाजर, ग्वालियर के रूप में हुई है, जिसने जिले में अलग-अलग स्थानों से बाइक चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। पूछताछ के दौरान आरोपी ने वाहन चोरी की कई घटनाओं को स्वीकार किया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चोरी की गई कुल पांच मोटरसाइकिलें बरामद कीं। पुलिस पता कर रही है कि आरोपी किसी संगठित गिरोह से जुड़ा है या अकेले ही चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था।

ब्लैकमेलिंग से परेशान छात्रा ने लगाई फांसी

ग्वालियर

गिरवाई थाना क्षेत्र में एक छात्रा ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतका को युवक ब्लैकमेलिंग करते हुए मानसिक रूप से परेशान कर रहा था। युवका की हरकतों से परेशान छात्रा ने अपने पिता को भी बताया था। युवक को उसके घर जाकर समझाया भी गया था लेकिन वह जब हरकतों से नहीं माना तो छात्रा ने जान दे दी। फांसी की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आत्महत्या के मामले की जांच प्रारंभ कर दी है।

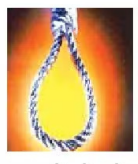

पेड़ से लटककर युवक ने दी जान

पनिहार थाना क्षेत्र में युवक ने पेड़ से लटककर आत्महत्या कर ली। फांसी की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव विच्छेदन गृह पहुंचाया। युवक ने फांसी क्यों लगाई, फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है। हाइवे पनिहार टोल प्लाजा के पास शुक्रवार को युवक का शव पेड़ से लटका मिला। शव की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक की पहचान लक्ष्मण पुत्र बारेलाल आदिवासी 35 वर्ष निवासी बड़ौंदाकलां गसवानी श्योपुर के रूप में हुई। मृतक के भाई की बरई पनिहार में ससुराल है। लक्ष्मण के फांसी लगाने का पता चलने पर शाम के समय परिजन भी थाने पहुंच गए थे। इस संबंध में पनिहार थाना प्रभारी हरेन्द्र शर्मा का कहना है कि युवक ने फांसी बाहर से आकर यहां क्यों लगाई जांच के बाद ही पता लग सकेगा। पुलिस ने फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है।

बघेल मौहल्ले में रहने वाली मोनिका पुत्री ओमप्रकाश बघेल 17 वर्ष कक्षा 10वीं कक्षा की छात्रा थी। बीते कल मोनिका ने अपने कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जब छात्रा को उसकी मां बुलाने कमरे में पहुंची तो बेटी को फंदे पर लटका देख उनकी चीख निकल गई। तत्काल छात्रा को फंदे से उतारा और परिजन चिकित्सालय लेकर पहुंचे जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। फांसी लगाकर आत्महत्या का पता चलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। बताया गया है कि छात्रा को पड़ोसी युवक काफी समय से परेशान कर रहा था। मोनिका जब युवक की हरकतों और ब्लैकमेलिंग से ज्यादा परेशान हो गई तो पिताजी को उसने युवक के बारे में बता दिया था। पिता उसे समझाने घर भी गए थे जहां उसने दोबारा कोई हरकत नहीं करने की बात कही थी लेकिन उसने समझाने के बाद भी छात्रा को परेशान करना नहीं छोड़ा तो उसने जान दे दी। पिता का आरोप है कि युवक बेटी की तस्वीरें वायरल करने की धमकी दे रहा था।

इनका कहना है

छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने किसी पड़ोसी युवक द्वारा परेशान करने की शिकायत की है। जांच के दौरान जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

सुरेन्द्रनाथ सिंह यादव
गिरवाई थाना प्रभारी

उत्तर प्रदेश दिवस-2026 एवं मतदाता जागरूकता दिवस का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। विकसित भारत, विकसित उत्तर प्रदेश- इस थीम के साथ आज नवयुग कन्या महाविद्यालय, राजेंद्र नगर, लखनऊ की 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग द्वारा प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय की अध्यक्षता एवं एनसीसी अधिकारी मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के कुशल संयोजन एवं संचालन में उत्तर प्रदेश दिवस-2026 एवं मतदाता जागरूकता दिवस का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें उत्तर प्रदेश के प्रमुख स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, सभ्यता और संस्कृति, साहित्य, कला, नृत्य, संगीत, अभिनय, खेल, पहनावा के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के योगदान को कैडेट बुशरा हामिद, लक्षिका, खुशी निषाद, जानवी दुबे, प्रीति कुमारी, अलीशा, अंजली बाजपेई, गरिमा, तान्या, प्रिया तिवारी, खुशी सिंह, दीप्ति, आस्था, साक्षी, जिया, प्रिया रावत, सौम्या, शुभी, मुस्कान, प्रियांशी, दिव्यांशी, सिद्धी, निकिता तथा आराधना ने बेगम हजरत महल, रानी लक्ष्मीबाई, मंगल पांडे, चंद्रशेखर आजाद, हरिवंश राय बच्चन, महादेवी वर्मा, कबीर दास, तुलसीदास, पंडित बिरजू महाराज, गोविंद बल्लभ पंत, अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर आदि का रूप लेकर प्रभावशाली नाटकीय मंचन के माध्यम से उत्तर प्रदेश की गौरवशाली पहचान, समृद्ध विरासत से परिचित कराया, सूत्रधार की भूमिका में मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि वर्तमान उत्तर प्रदेश केवल अतीत पर गर्व करने वाला राज्य नहीं, बल्कि विकास, नवाचार और आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर अग्रसर है। उत्तर प्रदेश हमारी पहचान, हमारा गौरव और हमारी जिम्मेदारी भी है। प्राचार्य प्रोफेसर मंजुला उपाध्याय ने सभी को उत्तर प्रदेश दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उत्तर प्रदेश को विकास की दिशा में आगे बढ़ाने के लिए अपनी भूमिका निभाने तथा जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया।

कांग्रेस के नव सृजन संकल्प प्रशिक्षण शिविर में पटवारी ने कार्यकर्ताओं को दी सीख

घर-घर जाकर जनता के मुद्दों को सड़क से सदन तक उठाएं

ग्वालियर

मध्य प्रदेश में लंबे समय से लगभग मृतप्राय पड़ा कांग्रेस संगठन को नए सिरे से गढ़ने की कोशिशें तेज हो गईं हैं। कमलनाथ सरकार का 17 दिसंबर 2018 से 20 मार्च 2020 तक लगभग 15 महीने के कार्यकाल को छोड़ दें, तो प्रदेश में कांग्रेस लंबे समय से सत्ता से दूर है। पार्टी के थिंकटैंक को भी यह बात समझ में आ गई है कि बिना संगठन को मजबूत किए बिना सत्ता में वापसी का ख्वाब देखना केवल 'दिवास्वप्न' ही है। इसीलिए पार्टी ने व्यापक स्तर पर सांगठनिक प्रयास तेज कर दिए हैं। जिसकी बानगी ग्वालियर में पार्टी की एक दिवसीय कार्यशाला नव सृजन संकल्प प्रशिक्षण शिविर में दिखी। प्रशिक्षण शिविर में कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को संगठन की महत्ता समझाने मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी से लेकर प्रदेश सह-प्रभारी संजना जाटव, पूर्व मंत्री एवं राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, जैसे प्रदेश के दिग्गज नेता आए थे। पार्टी रणनीतिकारों का मानना है कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करके कार्यकर्ताओं में जान फूंकी जा सकती है। प्रशिक्षण शिविर में पहली बार कांग्रेस के सत्ता व संगठन में गजब का संतुलन व समन्वय देखने को मिला।

उल्लेखनीय है कि कांग्रेस आलाकमान लंबे समय से पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने पर विचार कर रहा था लेकिन कुशल नेतृत्व के अभाव में उसके संगठन की धर कुंद हो रही थी। सूत्रों के अनुसार शिविरों में भाजपा के मजबूत संगठन क्षमता पर भी विस्तार से चर्चा की जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी खुद कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को पार्टी की विचार धारा से परिचित करवा रहे हैं। शुक्रवार को बैठक में पटवारी ने पदाधिकारियों से जब कांग्रेस और भाजपा के ब्लॉक अध्यक्षों की कार्यप्रणाली में मुख्य अंतर पूछा तो कई पदाधिकारी पटवारी को अपने जवाब से संतुष्ट नहीं कर पाए। इस पर पटवारी ने साफतौर पर निर्देश दिया कि हर कार्यकर्ता को पार्टी की विचारधारा स्पष्ट करनी चाहिए। नव सृजन के संकल्प शिविर में सम-सामयिक मुद्दों पर विस्तार से चिंतन किया गया। जिनमें बेरोजगारी, किसानों की समस्याएं, महिला सुरक्षा, भ्रष्टाचार और सामाजिक न्याय जैसे विषयों को गिनाया गया। पटवारी ने कहा कि कार्यकर्ता अगर इन मुद्दों को धार देकर जनता के बीच जाएं तो पार्टी निश्चय ही जनआंदोलन खड़ा कर सकती है। अब समय आ गया है कि हम संगठित होकर जनता के मुद्दों को सड़क से सदन तक उठाएं। यह प्रशिक्षण शिविर हमें नई दिशा देगा, नई ऊर्जा देगा और हमें विजयी बनाने का रास्ता दिखाएगा। कांग्रेस का हर सदस्य एक योद्धा है, और हम मिलकर बदलाव लाएंगे। बैठक में प्रदेश सह-प्रभारी संजना जाटव, पूर्व मंत्री एवं राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, पूर्व मंत्री लाखन सिंह यादव, राज्यसभा सांसद अशोक सिंह, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष सुरेंद्र यादव सहित अन्य वरिष्ठजनों ने भी कांग्रेसजनो को संबोधित किया।

गड़बड़ करोगे तो जेल जाओगे, छोड़ूंगा नहीं

बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रदेश के मुख्य सचिव खुद कह रहे हैं कि हर कलेक्टर पैसे लेता है, यह जानकारी पीएमओ और सीएम को भी है। इसका मतलब है जो कलेक्टर आता है, वो चोरी करने के लिए जिले में आता है। उन्होंने इस आशय का प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। पटवारी ने एसआईआर प्रक्रिया पर जमकर निशाना साधा। कहा कि इस तरह का 'मैन्युप्लेशन' लोकतंत्र को खतरा है। भ्रष्टाचार पर कहा कि गड़बड़ करोगे तो जेल जाओगे। छोड़ूंगा ही नहीं।

सम्पादकीय

ऐसा पछतावा ना हो कि एक बार पूछ लेता तो अच्छा होता

कैंसर पीड़ित एक युवक ने घर और अस्पताल में कई महीने गुजारने के बाद एक दिन बाहर निकलने का फैसला किया। वह एक म्यूजिक स्टोर पर सीडी खरीदने रुका और वहां मौजूद सेल्स गर्ल उसे अच्छी लग गई। जैसे ही वह अंदर गया, उसे पहली ही नजर में प्यार हो गया। वह काउंटर तक गया तो सेल्स गर्ल ने मुस्कराकर पूछा- क्या मैं आपकी कोई मदद कर सकती हूं? लंबे समय से गंभीर-से चेहरे देख रहे उस युवा के लिए यह अब तक की सबसे खूबसूरत मुस्कान थी। वह बोला- उम्म३ मैं एक सीडी लेना चाहता हूं। उसे जो पहली सीडी दिखी, उठा ली और पैसे दे दिए। लड़की मुस्कराते हुए बोली, क्या मैं इसे गिफ्ट रैप कर दूं? लड़के ने हां बोला और वो उसे रैप करने पीछे के रूम में चली गई। लड़का रैप्ड सीडी लेकर घर चला गया। तब से अगले कुछ दिन तक वह नियमित उसी म्यूजिक स्टोर पर जाता और हर दिन एक सीडी खरीदता। रोजाना लड़की उन्हें गिफ्ट रैप करती रही और लड़का वो सीडी बिना खोले ही अपनी अलमारी में रखता रहा। लड़का बेहद शमीर्ला था। उसने लाख कोशिश की, लेकिन लड़की से आउटिंग पर चलने के लिए पूछने की हिम्मत जुटा ही नहीं पाया। एक दिन उसके दोस्त ने उसे हौसला दिया। अगले दिन वह पक्का मन बनाकर स्टोर पहुंचा। हमेशा की तरह एक सीडी खरीदी और जब लड़की किसी दूसरे ग्राहक को अटैंड कर रही थी तो अपना फोन नंबर वहां छोड़कर चला गया।अगले दो दिन वह स्टोर नहीं गया तो लड़की ने उसे फोन किया। मां ने फोन उठाया और सोचने लगीं कि ये कौन हो सकता है। ये वही म्यूजिक स्टोर वाली लड़की थी। उसने बेटे से बात कराने को कहा तो मां रो पड़ीं। लड़की ने पूछा, क्या हुआ? मां बोलीं, तुम्हें नहीं पता? वह तो कल ही गुजर गया। फोन पर लंबी खामोशी छा गई। उसी दोपहर मां ने उसकी अलमारी खोली और देखकर हैरान रह गईं कि वहां गिफ्ट-पेपर में लिपटीं बहुत सारी सीडी रखी थीं। चूंकि वहां बहुत-सी सीडी थीं, तो मां को उत्सुकता हुई और उन्होंने हाल ही में लाई गई एक सीडी खोल ली। पैकेट फाड़ते ही उन्हें एक पर्ची दिखी, जिस पर लिखा था- हाय, तुम बहुत क्यूट हो। मैं तुमसे मिलना चाहूंगी। कभी बाहर चलें? -सोफी। यह देख कर मां फफक पड़ीं। गुरुवार की रात एक बड़ी गलती करने के बाद मुझे यह कहानी याद आई। मैं मुंबई जाने वाली ट्रेन की जगह पुणे जा रही ट्रेन में चढ़ गया था। दोनों ट्रेनें अमरावती से ही चलती हैं। गलत ट्रेन में चढ़ने के बाद कुछ सोच पाता, उससे पहले ही मैंने देखा कि दो और लोग भी यही गलती कर बैठे थे। अब वो कभी रेलवे अनाउंसमेंट सिस्टम को कोस रहे थे, तो कभी चेन खींचने की धमकी दे रहे थे। जब वे टीसी से झगड़ रहे थे तो मुम्बई जाने वाली ट्रेन दूसरे ट्रैक पर हमें ओवरटेक कर गई, क्योंकि वो पुणे की ट्रेन से ज्यादा फास्ट थी। मैंने हेड टीसी के बारे में पता करने के लिए बेडरोल सुपरवाइजर से मदद लेने का निर्णय किया और गलती के लिए उनसे माफी मांगी। हेड टीसी के लिए मैं उन यात्रियों से बेहतर था, जो कड़वाहट भरी तेज आवाज में शिकायत कर रहे थे। उन्होंने तत्काल पीछे आ रही ट्रेन के हेड से संपर्क किया और मदद का इंतजाम कर दिया। हम सब मनमाड स्टेशन पर उतर गए, लेकिन सीट मुझ अकेले को ही मिल पाई। वे दोनों फिर शिकायत करने लगे कि मुझे सीट क्यों मिली और उन्हें क्यों नहीं।

यह राजसत्ता और धर्मसत्ता के बीच वर्चस्व की लड़ाई है...

प्रयागराज में इन दिनो दो सनातनियों के बीच जिस स्तर की रस्साकशी चल रही है, उसका रिश्ता धर्म से कम सांसारिक माया-मोह, धर्म सत्ता और राजसत्ता के बीच वर्चस्व की लड़ाई तथा व्यक्तिगत अहं टकराव ज्यादा लगता है। इसी की आड़ में राजनीतिक हित भी साधे जा रहे हैं। संतों का सम्मान होना चाहिए, इसमें दो राय नहीं, लेकिन इस घटनाक्रम से यह भी उजागर हो रहा है कि आम लोगों को मोह-माया से दूर होकर भगवत भक्ति में मन रमाने का उपदेश देने वाले खुद कितने सत्ता मोह से ग्रस्त हैं। भारतीय परंपरा में धर्म सत्ता को राजसत्ता से ऊपर माना गया है, लेकिन धर्म सत्ता और राजसत्ता एक हो जाएं तो धर्म सत्ता की जो हालत होती है, वह प्रयागराज प्रकरण से समझी जा सकती है। प्रयागराज माघ मेले में मेला प्रशासन के नोटिस और कथित दुर्व्यवहार से नाराज ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद धरने पर बैठे हैं। शंकराचार्य मौनी अमावस्या पर संगम स्नान के लिए पालनी में सवार होकर जाना चाहते थे, लेकिन प्रशासन ने इसे नियमों का उल्लंघन कहकर रोक दिया। उनके शिष्यों के साथ झूमा झटकी भी हुई। मेला प्रशासन ने शंकराचार्य को नोटिस थमा दिया कि वे किस आधार पर स्वयं को शंकराचार्य बता रहे हैं, जबकि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य की नियुक्ति का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। प्रशासन के इस रवैये से नाराज शंकराचार्य धरने पर बैठे हैं। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार माना है। इस पर योगी ने शंकराचार्य को परोक्ष रूप से कालनेमि (असुर) कहा। यानी यह योगी और जोगी की लड़ाई में तब्दील हो गई है। उधर स्वामीजी के साथ प्रशासन के व्यवहार को लेकर सनातनी साधु संत भी दो खेमो में बंट गए हैं। आचार्य रामभद्राचार्य का कहना है कि मेले में संगम पर स्नान के लिए सभी को पैदल जाना होता है तो शंकराचार्य पालकी और रथ पर सवार होकर जाने की जिद क्यों कर रहे हैं? जबकि बाकी तीन पीठों के शंकराचार्यों ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ प्रशासन के व्यवहार की कड़ी निंदा की है। कुछ साधु संत इसे सनातनियों का आपसी विवाद मानकर मिल बैठकर सुलझाने की सलाह दे रहे हैं तो कुछ ने इसको लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस पूरे प्रकरण की गूंज उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा की आंतरिक खींचतान में भी साफ सुनाई देने लगी है। क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सुर अलग-अलग हैं। मौर्य ने कहा कि शंकराचार्य हमारे सम्माननीय हैं। उनके साथ दुर्व्यवहार करने वालों की जांच कर समुचित कार्रवाई होगी। यह डेमेज कंट्रोल या और कुछ, यह आनेवाले समय में पता चलेगा। पहले राजसत्ता धर्मसत्ता से वैधता चाहती थी तो अब धर्मसत्ता राजसत्ता से वैधता मांग रही है। इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है कि हिंदू धर्म में अब राजसत्ता ही धर्मसत्ता की वैधता, दिशा और कार्यप्रणाली तय करने लगी है। इस प्रकरण में जहां योगी के पीछे भाजपा का एक बड़ा वर्ग खड़ा है तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पीछे कांग्रेस और कई विपक्षी राजनीतिक दल खड़े हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को उनकी हैसियत बताने के पीछे यह भी बड़ा कारण है। उल्लेखनीय है कि आदि शंकराचार्य ने देश में चार पीठ स्थापित कर उनकी सत्ता शंकराचार्यों को सौंपी थी ताकि सनातन धर्म का समुचित प्रबंधन, संवर्द्धन किया जा सके। लेकिन आज इन चारों के अलावा भी स्वयंभू शंकराचार्यों की संख्या भी इतनी हो चुकी है कि शंकराचार्य पद की गरिमा, गुरूत्व और वैधता पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया है। अगर विवादों में घिरे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ही बात करें तो उनका पहला अपराध तो यही है कि वो वैचारिक रूप से कांग्रेसी रूझान रखते हैं। भाजपाई खेमा तो संत अविमुक्तेश्वरानंद के गुरू स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के बारे में भी यही राय रखता था। यानी वो राम मंदिर के समर्थक थे, लेकिन संघ विचार के विरूद्ध थे। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य का पद पहले भी विवादों में रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदजी का असल नाम उमाशंकर उपाध्याय है तथा वो संस्कृत में उपाधिधारी हैं। वो छात्र राजनीति में भी सक्रिय रहे। बाद में स्वामी करपात्रीजी महाराज के सान्निध्य में रहकर संन्यास की ओर प्रवृत्त हुए और पूर्व शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने उन्हें 2003 में दीक्षा दी। स्वामी स्वरूपानंदजी का 11 सितंबर 2022 को 98 वर्ष की आयु में देहांत हो गया। इसके दूसरे ही दिन यानी 12 सितंबर को अविमुक्तेश्वरानंदजी ने अपना पट्टाभिषेक कर स्वयं को शंकराचार्य घोषित कर दिया। इसके खिलाफ एक और स्वामी वासुदेवानंद सरस्वती 21 सितंबर 2022 को सुप्रीम कोर्ट चले गए। उनका कहना था कि अविमुक्तेश्वरानंद की नियुक्ति परंपरा के अनुसार नहीं है। इस बीच अविमुक्तेश्वरानंद ने झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट में 10 करोड़ मानहानि का मुकदमा दायर किया है, जो अभी विचाराधीन है। अविमुक्तेश्वरानंद खुद को ही ज्योतिष पीठ का शंकराचार्य बताते हैं। क्योंकि अदालत ने भी उन्हें शंकराचार्य ही कहा है। हालांकि अक्टूबर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने जस्टिस बी.आर. नागरत्ना ने अविमुक्तेश्वरानंद के पट्टाभिषेक पर रोक लगा दी। हवाला दिया गया कि गोवर्धन पीठ के शंकराचार्य ने अविमुक्तेश्वरानंद की शंकराचार्य पद पर नियुक्ति को मान्यता नहीं दी है। इस मामले में अंतिम फैसला अभी आना है। बताया जाता है कि दिवंगत स्वामी स्वरूपानंद की वसीयत के आधार पर निजी सचिव और उनके शिष्य सुबोद्धानंद ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को ज्योतिष पीठ और स्वामी सदानंद को द्वारका पीठ की गद्दी सौंपी थी। इसके बाद भी शंकराचार्य पद को लेकर कानूनी लड़ाई जारी है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि कोर्ट का ऐसा कोई भी आदेश नहीं है, जो उन्हें शंकराचार्य कहलाने से रोकता हो। वैसे अविमुक्तेश्वरानंद और उनके गुरू दिवंगत स्वामी स्वरूपानंद की शंकराचार्य के रूप में नियुक्ति भी अविवादित नहीं थी।

मेला प्रशासन ने शंकराचार्य को नोटिस थमा दिया कि वे किस आधार पर स्वयं को शंकराचार्य बता रहे हैं, जबकि ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य की नियुक्ति का मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। प्रशासन के इस रवैये से नाराज शंकराचार्य धरने पर बैठे हैं। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जिम्मेदार माना है। इस पर योगी ने शंकराचार्य को परोक्ष रूप से कालनेमि (असुर) कहा। यानी यह योगी और जोगी की लड़ाई में तब्दील हो गई है। उधर स्वामीजी के साथ प्रशासन के व्यवहार को लेकर सनातनी साधु संत भी दो खेमो में बंट गए हैं। आचार्य रामभद्राचार्य का कहना है कि मेले में संगम पर स्नान के लिए सभी को पैदल जाना होता है तो शंकराचार्य पालकी और रथ पर सवार होकर जाने की जिद क्यों कर रहे हैं? जबकि बाकी तीन पीठों के शंकराचार्यों ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के साथ प्रशासन के व्यवहार की कड़ी निंदा की है। कुछ साधु संत इसे सनातनियों का आपसी विवाद मानकर मिल बैठकर सुलझाने की सलाह दे रहे हैं तो कुछ ने इसको लेकर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस पूरे प्रकरण की गूंज उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा की आंतरिक खींचतान में भी साफ सुनाई देने लगी है। क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के सुर अलग-अलग हैं। मौर्य ने कहा कि शंकराचार्य हमारे सम्माननीय हैं। उनके साथ दुर्व्यवहार करने वालों की जांच कर समुचित कार्रवाई होगी। यह डेमेज कंट्रोल या और कुछ, यह आनेवाले समय में पता चलेगा। पहले राजसत्ता धर्मसत्ता से वैधता चाहती थी तो अब धर्मसत्ता राजसत्ता से वैधता मांग रही है। इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है कि हिंदू धर्म में अब राजसत्ता ही धर्मसत्ता की वैधता, दिशा और कार्यप्रणाली तय करने लगी है। इस प्रकरण में जहां योगी के पीछे भाजपा का एक बड़ा वर्ग खड़ा है तो स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के पीछे कांग्रेस और कई विपक्षी राजनीतिक दल खड़े हैं। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को उनकी हैसियत बताने के पीछे यह भी बड़ा कारण है। उल्लेखनीय है कि आदि शंकराचार्य ने देश में चार पीठ स्थापित कर उनकी सत्ता शंकराचार्यों को सौंपी थी ताकि सनातन धर्म का समुचित प्रबंधन, संवर्द्धन किया जा सके। लेकिन आज इन चारों के अलावा भी स्वयंभू शंकराचार्यों की संख्या भी इतनी हो चुकी है कि शंकराचार्य पद की गरिमा, गुरूत्व और वैधता पर ही प्रश्नचिन्ह लग गया है। अगर विवादों में घिरे ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद की ही बात करें तो उनका पहला अपराध तो यही है कि वो वैचारिक रूप से कांग्रेसी रूझान रखते हैं। भाजपाई खेमा तो संत अविमुक्तेश्वरानंद के गुरू स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती के बारे में भी यही राय रखता था। यानी वो राम मंदिर के समर्थक थे, लेकिन संघ विचार के विरूद्ध थे। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य का पद पहले भी विवादों में रहा है। शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंदजी का असल नाम उमाशंकर उपाध्याय है तथा वो संस्कृत में उपाधिधारी हैं।

युवाओं को डॉक्टर-इंजीनियर बनने से आगे का सोचना होगा

कंवल रेखी

मेरे पिता आर्मी में थे। द्वितीय विश्व युद्ध में उन्होंने शिरकत की थी। आज के पाकिस्तान के रावलपिंडी स्थित गांव सुखो से बंटवारे के बाद दारजी यानी मेरे पिता अलग-अलग पोस्टिंग्स से होते हुए कानपुर पहुंचे, जहां मेरा बचपन बीता। आर्मी से होने के कारण दारजी की नजर में सफलता के पैमाने मिलिट्री के ही थे। लेकिन मैं शारीरिक तौर पर कमजोर था, कंधे झुके थे, शमीर्ला और एक स्पीच-डिफेक्ट से जूझने वाला बच्चा था। मैं उनकी नजरों में एक निराशा ही था। बचपन में उनके रिजेक्शन ने मुझे झकझोर दिया था, लेकिन फिर मैंने इस बात का पॉजिटिव पहलू देखा और मानने लगा कि उनकी नजरअंदाजी मेरे लिए अच्छी है। मुझ पर अपने दोनों भाइयों की तरह आर्मी जॉइन करने का दबाव नहीं था। उनकी उपेक्षा ने मुझे अपना रास्ता चुनने की आजादी दी। मां को जरूर मुझ पर और गणित के प्रति मेरे रुझान पर भरोसा था। जब पिता पोस्टिंग पर होते तो घर के बजट का जिम्मा वो मुझे सौंप देतीं। 13 साल की उम्र में मैंने हिंदी मीडियम स्कूल से पढ़ाई की और गणित और विज्ञान में माहिर हो गया। मेरी जिज्ञासाओं ने मेरा आत्मविश्वास बढ़ाया। अच्छी बात यह थी कि उस समय देश में नॉलेज-इकोनॉमी कदम रख रही थी। घर के पास एक वेलफेयर लाइब्रेरी थी, जहां मुझे इतिहास की किताबों से लेकर अमेरिकी पत्रिकाएं पढ़ने की जगह मिली। लाइफ मैगजीन के नए अंक पढ़ता तो एक नई दुनिया में पहुंच जाता, जो मेरे हालात से बिलकुल विपरीत थी- लग्जरी कारें, हवाई जहाज, आलीशान घरों और जुनूनी एस्ट्रॉनॉट्स के कारनामे। ये तस्वीरें आने वाले कल की उम्मीद की नई खिड़कियां थीं, जहां मुझे मेरा सपना दिख रहा था। स्कूलिंग के बाद मेरा सिलेक्शन आईआईटी बॉम्बे में हो गया। लेकिन पिता को लगा मैं एक और बेवकूफी कर रहा हूं। तब उनके कमांडिंग ऑफिसर ने उन्हें बताया कि आईआईटी में सिलेक्शन कितनी बड़ी बात है। उस दिन पहली बार घर लौटकर उन्होंने मुझे शाबाशी दी। मेरा यकीन पक्का हो गया कि तमाम नकारात्मक चुनौतियों, लगातार रिजेक्शन से सामना और ऐसे कई अंधेरों में छिपा एक जादुई, चमकीला सपना जरूर होता है, जिसे आपको खुद खोजना पड़ता है। आईआईटी में मैंने जो सीखा, वो आज तक कायम है- सवाल पूछो, बेसिक्स मजबूत करो और समाधान निकालो। फंडामेंटल्स यानी बेसिक्स पर बार-बार सवाल पूछते रहने की वजह से मेरा निक-नेम फंडा सिंह पड़ गया था। भारतीय मध्यमवर्ग की सोच बहुत साफ है। घर-घर में यही आवाज गूंजती है- डॉक्टर बनो, इंजीनियर बनो। लेकिन कभी कोई माता-पिता यह नहीं कहते- बेटा, उद्यमी बनो। इसके बाद सलाह मिलती है- अच्छी नौकरी पकड़ो, शादी करो, जिम्मेदार बनो। यानी एक लकीर पर चलते रहने को अनुशासन मान लिया जाता है। अनुशासन का मतलब है वही करना जो समाज आपसे उम्मीद करता है। मल्टीनेशनल कंपनी की नौकरी और परिवार द्वारा चुनी गई लड़की से शादी को समझदारी माना जाता है। यही सलाह आपको अपने दिल की आवाज सुनने से रोकती है। उद्यमी बनना इन सब अपेक्षाओं के खिलाफ जाना है। यह रास्ता कठिन है, अकेला है और इसमें किसी से सहानुभूति की उम्मीद मत रखिए। लोग आपको पागल कहेंगे, हंसेंगे। आन्त्रप्रेन्योर को खुद को साबित करना होता है। यह आग भीतर से जलनी चाहिए। बाहर से कोई आपको प्रेरित नहीं करेगा कि आप कठिनाइयों से गुजरें। अगर आप उद्यमी बनना चाहते हैं, तो यह समाज की तय की हुई राह से अलग है। यह कठिन है, लेकिन असली संतोष वहीं पर मिलेगा, जब आप अपनी आवाज सुनेंगे। अनुशासन का मतलब सिर्फ दूसरों की उम्मीदें पूरी करना नहीं, बल्कि अपने सपनों को जीना भी है। आइडिया ऐसा होना चाहिए कि हर शख्स सोचे- यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया। जिंदगी ने एक बात सिखाई है कि जो कोई नहीं कर रहा, वो मुझे करना है और अपनी शर्तों पर अपने तरीके से करना है। आज हिंदुस्तान में जिस तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मविश्वास का विकास हो रहा है, युवाओं के लिए यहीं पर भरपूर मौके हैं। मेरा मानना है कि आने वाले समय में देश में रिवर्स ब्रेन-ड्रेन का ट्रेंड लगातार बढ़ेगा। आपके पास कोई ऐसा आइडिया होना चाहिए कि हर शख्स सोचे- यह मेरे दिमाग में क्यों नहीं आया। जिंदगी ने मुझे एक बात सिखाई है कि जो कोई नहीं कर रहा, वो मुझे करना है और अपनी शर्तों पर, अपने ढंग से करना है।

एक इस्लामिक-नाटो के हमारे लिए क्या मायने होंगे?

इन दिनों इस्लामिक-नाटो की बहुत चर्चा हो रही है। लेकिन मध्य-पूर्व में एक इस्लामी गठबंधन का विचार नया नहीं है। 1955 में भी सोवियत संघ का मुकाबला करने के लिए ब्रिटेन-अमेरिका के नेतृत्व में बगदाद पैक्ट बनाया गया था। इसमें इराक, तुर्किये, पाकिस्तान, ईरान शामिल थे। यह उसी वर्ष सेंट्रल ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (सेंटो) में तब्दील हो गया। लेकिन 1979 में यह व्यवस्था बिखर गई। 2015 में भी आईएसआईएस के खिलाफ युद्ध को आगे बढ़ाने के मकसद से सऊदी अरब ने इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन के गठन की घोषणा की थी। 2017 में पाकिस्तान के पूर्व फौज प्रमुख राहील शरीफ को इसका पहला सैन्य कमांडर भी नियुक्त किया गया था। अब पाकिस्तान-सऊदी रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौता सामने आया है, जिसमें नाटो की तरह यह प्रावधान है कि अगर गठजोड़ के किसी एक मुल्क पर हमला होता है तो इसे पूरे संगठन पर हमला मानकर उसका जवाब दिया जाएगा। तुर्किये भी इस समूह में शामिल होने पर विचार कर रहा है। भले ही ऐसा इस्लामिक-नाटो जैसा कोई औपचारिक संगठन इस समय अस्तित्व में न हो, लेकिन इसकी संभावना मात्र के ही गंभीर भू-राजनीतिक निहितार्थ हैं।सऊदी-पाक समझौता उन घटनाओं की पृष्ठभूमि में सामने आया है, जिनमें अमेरिका-इजराइल का ईरान से युद्ध, इजराइल द्वारा कतर पर बमबारी, यमन को लेकर सऊदी-यूएई तनाव और भारत का ऑपरेशन सिंदूर शामिल हैं। इन सबके बाद सऊदी को यह महसूस हुआ कि मध्य-पूर्व में इजराइल के बढ़ते प्रभाव के मद्देनजर उसे एक भरोसेमंद गठजोड़ की आवश्यकता है।जहां तक पाकिस्तान का सवाल है तो सऊदी अरब उसकी चरमराती अर्थव्यवस्था को आर्थिक जीवनरेखा प्रदान कर सकता है। याद रखें कि 1967 में हुए सुरक्षा समझौते के बाद- और फिर 1979 में काबा में उग्रवादियों की घुसपैठ और ईरानी क्रांति के मद्देनजर- पाकिस्तानी सेना ने सऊदी अरब को सुरक्षा उपलब्ध कराई थी। इस समूह के लिए पाकिस्तान का परमाणु हथियार सम्पन्न होना भी बड़ा प्रोत्साहन है। इस्लामाबाद भी लंबे समय से कश्मीर पर अंतरराष्ट्रीय समर्थन की तलाश करता रहा है और ऐतिहासिक रूप से इस विवाद को इस्लामी संदर्भ में प्रस्तुत करने की कोशिश करता रहा है। एक शक्तिशाली इस्लामी सुरक्षा ब्लॉक की सदस्यता पाकिस्तान के कूटनीतिक दबदबे को बढ़ा सकती है, भले ही अन्य सदस्य देश कश्मीर मुद्दे का सैन्यीकरण करने के प्रति अनिच्छुक हों। इस व्यवस्था में तुर्किये की दिलचस्पी मध्य-पूर्व के घटनाक्रमों से जुड़ी है, जो कभी उस्मानी साम्राज्य का हिस्सा रहा है। नाटो का सदस्य होने के बावजूद तुर्किये अमेरिका पर अपनी निर्भरता कम करना चाहता है। वास्तव में, अपनी मजबूत सैन्य क्षमता के कारण वह स्वयं को इस्लामी दुनिया के लीडर के रूप में देखता है। फिर उसके पास एक सशक्त रक्षा उद्योग और युद्धक्षेत्र का पर्याप्त अनुभव भी है। ऐसे में यह नई दिल्ली के लिए रणनीतिक चिंता का विषय हो सकता है। वैचारिक आधार पर गठित ऐसा सैन्य ब्लॉक- जो पश्चिम एशिया, अफ्रीका के कुछ हिस्सों और दक्षिण एशिया तक फैला हो- क्षेत्रीय संतुलन को ऐसे ढंग से फिर से परिभाषित करेगा, जिसे भारत नजरअंदाज नहीं कर सकता। लेकिन मध्य-पूर्व में चल रहे इन घटनाक्रमों का एक तात्कालिक परिणाम यूएई और भारत के बीच महत्वपूर्ण तालमेल के रूप में सामने आया है। हाल ही में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद ने भारत की आधिकारिक यात्रा की थी। मध्य-पूर्व में बढ़े तनाव के बीच हुई इस यात्रा ने काफी ध्यान खींचा। अधिकारियों के अनुसार, दोनों नेताओं ने भारत-यूएई समग्र रणनीतिक साझेदारी और आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने पर बातचीत की। लेकिन इसका सबसे महत्वपूर्ण परिणाम रणनीतिक रक्षा साझेदारी के लिए एक समझौता करने के इरादे की घोषणा थी। देखें तो यह सऊदी-नेतृत्व वाले तथाकथित इस्लामिक-नाटो पर यूएई की प्रतिक्रिया जैसा लगता है। भारत की विदेश नीति पारम्परिक रूप से बहुध्रुवीय दुनिया में फलती-फूलती रही है। उसने मुस्लिम-बहुल देशों के साथ अपने सम्बंध व्यावहारिक कूटनीति के जरिये प्रबंधित किए हैं। एक इस्लामिक-नाटो इस व्यावहारिकता की जगह पहचान-आधारित गठजोड़ ला सकता है। यह भारत के कूटनीतिक लचीलेपन को कम करेगा, खासकर पश्चिम एशिया में, जहां नई दिल्ली ने सऊदी अरब, ईरान, इजराइल और खाड़ी देशों के साथ अपने सम्बंधों को बड़े संतुलन के साथ साधा है। भारत की आर्थिक जीवनरेखाएं उन्हीं क्षेत्रों से होकर गुजरती हैं, जो इस्लामिक-नाटो की रीढ़ बन सकते हैं- फारस की खाड़ी, लाल सागर, हिंद महासागर। लेकिन मुस्लिम-बहुल देशों के रणनीतिक हितों में गहरे मतभेद भी हैं।

अर्थव्यवस्था व सेहत पर घातक असर

दावोस में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में भारतीय अर्थव्यवस्था की चर्चा के दौरान यह बात शिद्दत से उठी कि भारत पर ट्रंप के टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण ज्यादा घातक असर दिखा रहा है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर और आईएमएफ की पूर्व डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर गीता गोपीनाथ ने इकोनॉमिक फोरम में चर्चा के दौरान कहा कि व्यापार बढ़ाने की कवायद में अकसर व्यापारिक बाधाओं और नियमों की बात की जाती है, लेकिन आर्थिक तरक्की में बाधक प्रदूषण जैसे घटकों की चर्चा कम ही होती है। चर्चा में भारत में प्रदूषण की भयावहता का जिक्र करते हुए कहा गया कि भारत पर ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ के मुकाबले प्रदूषण का असर ज्यादा घातक व दूरगामी है। फोरम में साल 2022 में विश्व बैंक के एक अध्ययन का हवाला दिया गया कि भारत में हर साल सत्रह लाख लोगों की मौत प्रदूषण से हो जाती है। ये आंकड़ा भारत में मरने वालों का अट्ठारह फीसदी बैठता है। जो कहीं न कहीं आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने के साथ ही बहुमूल्य जीवन भी लीलता है। कमोबेश यह घातकता जीडीपी पर भी असर डालती है। निस्संदेह, प्रदूषण से होने वाली मौतों से केवल एक परिवार ही नहीं, पूरे देश पर प्रभाव पड़ता है। देश की

श्रम शक्ति का ह्रास होता है और आर्थिकी पर दूरगामी प्रभाव होते हैं। वहीं आर्थिकी पर चर्चा के दौरान यह मुद्दा भी उठा कि प्रदूषण के चलते निवेशकों के भरोसे पर भी दुष्प्रभाव होता है। इससे निवेशकों का आकर्षण कम होता है। निस्संदेह, निवेशक के मन में भय होता है कि यदि वह इसी प्रदूषित वातावरण में रहता है तो यह उसके लिये यह घातक हो सकता है। इसमें दो राय नहीं कि प्रदूषण की भयावह स्थिति दुनिया में किसी भी देश की छवि को नुकसान जरूर पहुंचाती है। जिससे निवेशक बेहतर विकल्प की तलाश में अन्य देशों का रुख कर सकते हैं। ऐसे में प्रदूषण के संकट को युद्धस्तर पर निपटाने की जरूरत महसूस की जा रही है। निस्संदेह, भारत में प्रदूषण का संकट एक यथार्थ है। यह भी हकीकत है कि देश के नीति-नियंता प्रदूषण संकट के समाधान को लेकर गंभीर नजर नहीं आते। जब-जब प्रदूषण संकट गहराता है तो आग लगने पर कुआं खोदने की कवायद की जाती है। कोर्ट की फटकार व नियामक एजेंसियों की सख्ती के बाद शासन-प्रशासन हरकत में आता है। लेकिन गीता गोपीनाथ के तर्कों के कुछ अर्धसत्य भी हैं। इसमें दो राय नहीं कि अमेरिका के इशारे पर काम करने वाली वैश्विक एजेंसियां विकासशील देशों को लेकर अपनी सुविधा के हिसाब से प्रतीक-प्रतिमान गढ़ती रही हैं। आईएमएफ जैसी संस्थाओं को अमेरिकी कूटनीति के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जाता रहा है। यहां तक कि इन संस्थाओं में उच्च पदों पर बैठे भारतीय अधिकारी भी अमेरिका के सुरों में गाते नजर आते हैं। सवाल गोपीनाथ के बयान के समय का भी है जब अमेरिका न केवल भारत पर अन्यायपूर्ण टैरिफ लगा रहा है बल्कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते को भी अपनी शर्तों के अनुरूप अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहा है। बहरहाल, इसके बावजूद यह एक हकीकत है कि हमारे देश में प्रदूषण संकट बड़ा है, जिसे देश के नीति-नियंता गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिसके चलते करोड़ों भारतीयों को अपनी जमा-पूंजी अपने व परिवार के उपचार में खर्च करनी पड़ती है। निस्संदेह, प्रदूषण के खिलाफ युद्ध स्तर पर कार्रवाई करने की जरूरत है। साथ ही प्रदूषण नियंत्रण से जुड़े कानूनों को सरल बनाने की भी जरूरत है ताकि उन पर अमल आसानी से हो सके। इसके अलावा लोगों को भी जागरूक करने की जरूरत है कि देश की आबोहवा सुधारने के लिये उन्हें भी कुछ त्याग करने होंगे। उन्हें अपनी विलसिता की जीवन शैली में बदलाव लाकर आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुधारना होगा। निश्चित रूप से प्रदूषण को आर्थिक चुनौती के रूप में भी देखने की जरूरत है। खासकर जब भारत खुद को वैश्विक आर्थिक और विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के लिये प्रयासरत है। हमारा मकसद हो कि हमारे शहर स्वच्छ रहें और नागरिकों के लिये जीवन परिस्थितियां स्वास्थ्य के अनुकूल हों।

आलमबाग में खुला टॉपरैंकर्स का चौथा संस्थान, हुआ टॉपर्सटॉक का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। ज्ञान, विद्या और बुद्धि की देवी माँ सरस्वती को समर्पित वसंत पंचमी के शुभ अवसर पर टॉपरैंकर्स लखनऊ में टॉपर्स टॉक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जब टॉपर्स ने स्वयं अपनी सफलता की कहानी साझा की, तो माहौल प्रेरणा और उत्साह से भर गया। कार्यक्रम के साथ ही टॉपरैंकर्स के चौथे संस्थान का आलमबाग में आधिकारिक उद्घाटन शौर्यवर्धन और अपूर्वश्री एवं उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक की धर्मपत्नी नम्रता पाठक ने किया। टॉपर्स टॉक कार्यक्रम में टॉपरैंकर्स के होनहार छात्र शौर्यवर्धन और अपूर्वश्री ने अपने सहपाठियों और जूनियर छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता न तो एक दिन की मेहनत से मिलती है और न ही केवल किस्मत से। इसके लिए निरंतरता, अनुशासन और एक समान जज्बे के साथ की गई मेहनत जरूरी है। उन्होंने बताया कि किसी भी परीक्षा की तैयारी के लिए 12ध्14 घंटे पढ़ाई करना आवश्यक नहीं, बल्कि यह जरूरी है कि जो भी पढ़ा जाए, वह पूरी एकाग्रता और फोकस के साथ हो तथा कॉन्सेप्ट को गहराई से समझा जाए। टॉपर्स ने छात्रों को किताबों तक सीमित न रहने की सलाह देते हुए कहा कि अपने विषय से जुड़े घटनाक्रमों और व्यावहारिक उदाहरणों को समझना भी उतना ही आवश्यक है, क्योंकि प्रैक्टिकल समझ थ्योरी को और मजबूत बनाती है।

डायबिटीज, हृदय रोगों के साथ ब्रेन को भी खतरा, आप भी हैं मोटापे का शिकार तो हो जाइए सावधान

दुनिया के जाने-माने एक्सपर्ट्स ने कहा है कि ज्यादा वजन होने से डिमेंशिया का खतरा काफी बढ़ जाता है। मोटापा की स्थिति आपके दिमागी क्षमता को कम करने वाली हो सकती है जिसको लेकर सभी लोगों को पहले से ही सावधानी बरतने की आवश्यकता है। दुनियाभर में तेजी से बढ़ती क्रॉनिक बीमारियों जैसे हृदय रोग-डायबिटीज और मेटाबॉलिज्म की समस्या के लिए लाइफस्टाइल और खान-पान में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, इसके अलावा सभी लोगों को अपने वजन को कंट्रोल में रखना भी बहुत जरूरी है। बढ़ते वजन या हाई बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की स्थिति को कई जानलेवा बीमारियों का प्रमुख कारण पाया गया है। अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों का वजन अधिक होता है, उनमें टाइप-2 डायबिटीज, हृदय से संबंधित बीमारियां, आर्थराइटिस का खतरा तो रहता ही है, साथ ही मोटापे को दिमागी सेहत के लिए भी खतरनाक पाया गया है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, मोटापा आज एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन चुका है। पहले जहां इसे केवल वयस्कों की समस्या माना जाता था, वहीं अब बच्चे और किशोर भी तेजी से मोटापे का शिकार होते जा रहे हैं। अधिक वजन की स्थिति शरीर के कई अंगों और प्रणालियों को प्रभावित करता है। अगर वजन को समय रहते कंट्रोल न किया जाए तो इससे आपके सोचने-समझने, निर्णय लेने और याददाश्त से संबंधित दिक्कतें भी बढ़ सकती हैं। एक हालिया अध्ययन में शोधकताओं ने पाया है कि जिन लोगों का वजन अधिक होता है उनमें भविष्य में अल्जाइमर रोग-डिमेंशिया का खतरा भी ज्यादा देखा गया है।

मोटापा के शिकार लोगों में डिमेंशिया का खतरा

इंग्लैंड की ब्रिस्टल यूनिवर्सिटी के नेतृत्व में हुए एक अध्ययन के आधार पर दुनिया के जाने-माने स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने अलर्ट किया है कि वजन अधिक होने या मोटापे के कारण व्यक्ति में डिमेंशिया का खतरा काफी बढ़ सकता है। अगर समय रहते वजन कम कर लिया जाए और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर लेते हैं तो दुनियाभर में डिमेंशिया के लाखों मामलों को रोका जा सकता है।

द जर्नल ऑफ क्लिनिकल एंडोक्रिनोलॉजी एंड मेटाबॉलिज्म में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकताओं ने बीएमआई और वैस्कुलर डिमेंशिया के बीच सीधा संबंध पाया है।

वैस्कुलर डिमेंशिया दिमाग में खून के प्रवाह में कमी के कारण होती है, जिससे दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाता है और कोशिकाएं डेड होने लग जाती हैं।

ऐसा दिमाग में छोटी खून की नसों के सिकुड़ने या उनके ब्लॉक होने की वजह से होता है, जिसे अक्सर लाइफस्टाइल कारकों या स्ट्रोक से जोड़कर माना जाता है।

मोटापा के शिकार लोगों में स्ट्रोक का खतरा भी अधिक देखा गया है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को कम उम्र से ही अपने वजन को कंट्रोल रखने पर ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं।

हाई बीएमआई और डिमेंशिया का क्या लिंक है?

उम्र से जुड़ी बीमारियों की चीफ फिजिशियन और एक्सपर्ट डॉ. रूथ फ्रिके-श्मिट कहती हैं, इस अध्ययन में हमने पाया कि हाई बीएमआई और हाई ब्लड प्रेशर डिमेंशिया के सीधे कारण हैं। बढ़े हुए वजन और ब्लड प्रेशर का इलाज और रोकथाम डिमेंशिया के रोकथाम में काफी मददगार हो सकता है।

इस अध्ययन के लिए 5 लाख से अधिक प्रतिभागियों को शामिल किया गया। प्रतिभागियों के वजन और उसके कारणों की जांच की गई।

जिन लोगों का बीएमआई जेनेटिकली ज्यादा था उनमें वैस्कुलर डिमेंशिया होने की आशंका अधिक पाई गई।

डिमेंशिया के बढ़े हुए खतरे का लगभग एक चौथाई हिस्सा हाई ब्लड प्रेशर की वजह से था।

विशेषज्ञों ने कहा, ये अध्ययन दिखाता है कि वजन और ब्लड प्रेशर की रोकथाम के लिए किए गए उपाय आपमें दिमाग की इस खतरनाक बीमारी के खतरे को कम करने वाले हो सकते हैं।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अध्ययन के लेखक और क्लिनिकल बायोकेमिस्ट्री के एक्सपर्ट डॉ. लिव टिबजर्ग नॉर्डेस्टगार्ड कहते हैं, डिमेंशिया एक खतरनाक बीमारी है जिससे अभी दुनिया भर में 50 मिलियन लोग प्रभावित हैं। दुर्भाग्य से इसके इलाज और बचाव के तरीके कम हैं। ये अध्ययन आपको डिमेंशिया से बचाव के लिए एक कारगर उपाय दे रहा है। जिन लोगों के परिवार में पहले किसी को डिमेंशिया या फिर अधिक वजन की समस्या रही हो उन्हें इस बीमारी को लेकर और भी सतर्कता बरतनी चाहिए। कम उम्र से ही अगर आप वजन कंट्रोल करने वाले उपाय करते हैं तो इससे न सिर्फ ब्लड प्रेशर नियंत्रित होता है, साथ ही आप हृदय रोग, डायबिटीज और डिमेंशिया से भी काफी हद तक खुद को सुरक्षित कर सकते हैं।

कहीं आप भी मोटापे का शिकार तो नहीं?

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों का वजन सामान्य से अधिक होता है उनमें दिल की बीमारी, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और जोड़ों की समस्याओं जैसे आर्थराइटिस का खतरा कई गुना अधिक हो सकता है। वजन चेक करने के लिए बॉडी मास इंडेक्स (बीएमआई) की जांच को कारगर तरीका माना जाता रहा है। पर हालिया अध्ययन में वैज्ञानिकों की टीम ने बताया है कि मोटापे के खतरे का पता लगाने में वेस्ट-टू-हाइट रेशियो (कमर की चौड़ाई और ऊंचाई का अनुपात) बीएमआई की तुलना में ज्यादा बेहतर हो सकता है।

सिर्फ सीने में नहीं, शरीर के इन हिस्सों में दर्द भी हो सकता है हार्ट अटैक का संकेत

दिल हमारे शरीर का सबसे अहम अंग है, लेकिन इसके बावजूद दिल से जुड़ी बीमारियां आज भी दुनियाभर में मौत की सबसे बड़ी वजह बनी हुई हैं। भारत में स्थिति और भी चिंताजनक होती जा रही है। इंडियन हार्ट एसोसिएशन के मुताबिक, साल 2020 में 30 से 60 साल की उम्र के करीब 19 हजार लोगों की मौत हार्ट अटैक से हुई थी, जबकि 2021 में 18 से 30 साल के युवाओं में भी 2,500 से ज्यादा मौतें दर्ज की गईं। यह साफ संकेत है कि हार्ट अटैक अब सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी नहीं रह गई है।

फिल्मों जैसा नहीं होता असली हार्ट अटैक

कार्डियोलॉजिस्ट बताते हैं कि ज्यादातर लोग हार्ट अटैक को फिल्मों की तरह समझते हैं, जहां व्यक्ति अचानक सीने पर हाथ रखकर गिर पड़ता है। लेकिन हकीकत इससे बिल्कुल अलग होती है। अक्सर हार्ट अटैक के शुरूआती लक्षण इतने हल्के होते हैं कि लोग उन्हें गैस,

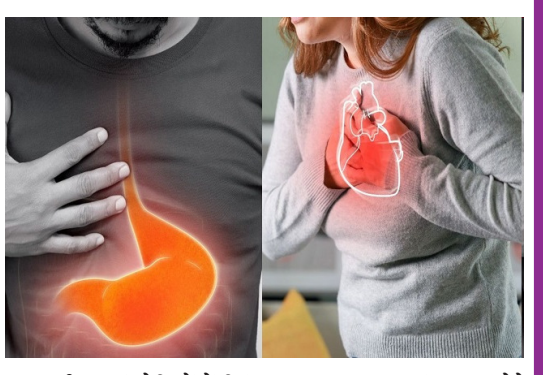

बदहजमी या मांसपेशियों में खिंचाव समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक हार्ट अटैक में सबसे अहम भूमिका समय की होती है। वे कहते हैं ह्लटाइम इज मसलह्व, यानी जितनी जल्दी लक्षण पहचाने जाएंगे, उतना ज्यादा दिल का मसल बचाया जा सकता है।

सीने के अलावा इन जगहों पर भी हो सकता है दर्द

हार्ट अटैक के दौरान दर्द सिर्फ सीने तक सीमित नहीं रहता। कई बार यह दर्द शरीर के अन्य हिस्सों में भी महसूस हो सकता है।

जैसे बायां हाथ, और कभी-कभी दोनों हाथ दर्द होना।

जबड़ा और गर्दन, जिसे लोग दांत दर्द या गले की समस्या समझ लेते हैं।

पीठ, खासकर कंधों के बीच का हिस्सा।

साइलेंट हार्ट अटैक के लक्षण भी हैं खतरनाक

डॉक्टर बताते हैं कि महिलाएं, बुजुर्ग और डायबिटीज के मरीजों में हार्ट अटैक के लक्षण अलग हो सकते हैं। कई बार इनमें सीने में दर्द बिल्कुल नहीं होता। इसके बजाय ये संकेत दिखाई दे सकते हैं। अचानक बहुत ज्यादा थकान, जैसे बिना कुछ किए ही अत्यधिक मेहनत कर ली हो बिना किसी शारीरिक गतिविधि के सांस फूलना, मतली या उलटी जैसा मन, ठंडा पसीना आना। अक्सर लोग इन लक्षणों को फ्लू, फूड पॉइजनिंग या कमजोरी समझकर टाल देते हैं, जो जानलेवा साबित हो सकता है।

आखिरी और सबसे जरूरी सलाह

डॉक्टरों की साफ सलाह है कि अगर कमर से ऊपर शरीर में कोई भी अचानक, अजीब या असामान्य लक्षण महसूस हो, तो इंतजार बिल्कुल न करें। यह सोचकर न बैठें कि अपने-आप ठीक हो जाएगा। तुरंत इमरजेंसी मेडिकल सर्विस को कॉल करें, क्योंकि सही समय पर उठाया गया एक कदम आपकी जान बचा सकता है।

भारत के 50,000 इस देश में हो जाएंगे लाखों, कम बजट में ऐसे करें यहां घूमने की प्लानिंग

अगर आप विदेश यात्रा पर जाने का प्लान कर रहे हैं तो यहां हम आपको एक ऐसे देश के बारे में जानकारी देंगे, जहां भारत के हजारों रुपये लाखों में बदल जाते हैं। अगर आप कम बजट में विदेश घूमने का सपना देख रहे हैं, तो वियतनाम आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन है। भारत के सिर्फ 5000 रुपये यहां लाखों जैसे लगते हैं, क्योंकि वियतनाम में खाना, होटल, ट्रांसपोर्ट और घूमने की जगहें बेहद सस्ती हैं। खास बात यह है कि 50 हजार रुपये से कम के बजट में आप वियतनाम का इंटरनेशनल ट्रिप आसानी से प्लान कर सकते हैं। खूबसूरत बीच, ऐतिहासिक मंदिर, नाइट मार्केट, स्ट्रीट फूड और शानदार कैफे इस देश को भारतीय पर्यटकों के बीच तेजी से पॉपुलर बना रहे हैं। वियतनाम का वीजा प्रोसेस आसान है और भारतीय टूरिस्ट यहां बिना ज्यादा खर्च किए लग्जरी एक्सपीरियंस ले सकते हैं। अगर आप बजट ट्रैवल, बैकपैकिंग या हनीमून प्लान कर रहे हैं, तो वियतनाम आपके लिए एक शानदार और किफायती विकल्प साबित हो सकता है।

वियतनाम की फ्लाइट कितनी सस्ती है ?

भारत से वियतनाम जाने के लिए फ्लाइट टिकट सबसे बड़ा खर्च होता है, लेकिन अगर सही समय पर बुकिंग की जाए तो ये भी बजट में आ जाता है।

दिल्ली, मुंबई या कोलकाता से हनोई या हो ची मिन्ह सिटी के लिए राउंड ट्रिप फ्लाइट 18,000 से 25,000 रुपये तक मिल जाती है।

सेल और ऑफर्स के दौरान यह किराया और भी कम हो सकता है।

वियतनाम का वीजा कितना सस्ता है ?

वियतनाम भारतीय नागरिकों को ई-वीजा की सुविधा देता है।

इसका प्रोसेस पूरी तरह ऑनलाइन है और ज्यादा दस्तावेजों की जरूरत नहीं पड़ती।

ई-वीजा की फीस लगभग 2,000 से 2,500 रुपये होती है।

वियतनाम में होटल कितना सस्ता है ?

वियतनाम में रहने के लिए बजट होटल, गेस्ट हाउस और होस्टल बड़ी आसानी से मिल जाते हैं।

यहां 800 से 1,500 रुपये प्रति रात में साफ-सुथरे और सुरक्षित होटल उपलब्ध हैं।

कई बजट होटलों में फ्री वाई-फाई, एसी और ब्रेकफास्ट जैसी सुविधाएं भी मिल जाती हैं।

विदेशी पर्यटकों को क्यों इतना पसंद है भारत? जानिए शीर्ष पर्यटन स्थल

राष्ट्रीय पर्यटन दिवस हमें याद दिलाता है कि भारत केवल एक देश नहीं, बल्कि अनुभवों की पूरी दुनिया है। अगर सही तरीके से पर्यटन को बढ़ावा दिया जाए, तो यह भारत की अर्थव्यवस्था और वैश्विक छवि दोनों को नई ऊंचाई दे सकता है। भारत विविधताओं का देश है, जहां हर कुछ किलोमीटर पर भाषा बदलती है, संस्कृति बदलती है और खानपान के साथ-साथ पहनावे तक में फर्क दिखता है। 28 राज्य और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से मिलकर बना भारत अपने आप में एक संपूर्ण पर्यटन पैकेज है। यही वजह है कि हर साल 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाया जाता है, ताकि भारत की ऐतिहासिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक स्थल और सांस्कृतिक धरोहर को देश-विदेश तक पहुंचाया जा सके। पर्यटन केवल घूमने-फिरने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देता है और भारत की वैश्विक पहचान को भी बढ़ाता है। कश्मीर की वादियों से लेकर कन्याकुमारी के समुद्र तट तक, भारत हर तरह के पर्यटकों को आकर्षित करता है। यही कारण है कि हर साल लाखों विदेशी पर्यटक भारत घूमने आते हैं। क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय पर्यटन दिवस? 25 जनवरी को राष्ट्रीय पर्यटन दिवस मनाने का उद्देश्य भारत के प्रमुख पर्यटन स्थलों को वैश्विक मंच पर पहचान दिलाना, पर्यटन को बढ़ावा देना और इससे जुड़े रोजगार के अवसरों को मजबूत करना

है। इस दिन देश-विदेश में भारत की पर्यटन क्षमता का प्रचार-प्रसार किया जाता है। इस लेख में जानिए भारत के वो स्थल जो विदेशी पर्यटकों के बीच सबसे अधिक लोकप्रिय हैं और विदेशों से लोग इन जगहों पर घूमने के लिए ही आते हैं।

ताजमहल, आगरा

दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल भारत का सबसे प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है।

उत्तर प्रदेश के आगरा में स्थित यह स्मारक हर साल 70ञ्च80 लाख पर्यटकों को आकर्षित करता है, जिनमें बड़ी संख्या विदेशी यात्रियों की होती है।

ताजमहल के साथ-साथ आगरा किला, फतेहपुर सीकरी, अकबर का मकबरा और सिकंदरा भी प्रमुख आकर्षण हैं।

गोवा

गोवा विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद में शामिल है।

समुद्र तट, नाइट लाइफ, सी-फूड और वाटर स्पोर्ट्स गोवा को खास बनाते हैं।

पर्यटन मंत्रालय के अनुसार, 2022 में गोवा में 1.75 लाख से अधिक विदेशी पर्यटक पहुंचे थे।

यहां के बीच और पार्टी कल्चर विदेशियों को खासा आकर्षित करते हैं।

राजस्थान

राजस्थान शाही विरासत, किलों और महलों के लिए जाना जाता है।

जयपुर, जैसलमेर, उदयपुर और माउंट आबू जैसे शहर विदेशी पर्यटकों में बेहद लोकप्रिय हैं।

2023 में राजस्थान में 13 करोड़ से अधिक पर्यटक पहुंचे, जिनमें बड़ी संख्या विदेशी यात्रियों की रही।

रेगिस्तान, झीलें और ऐतिहासिक किले इसकी पहचान हैं।

दिल्ली

भारत की राजधानी दिल्ली विदेशी पर्यटकों के आगमन में सबसे आगे है।

लाल किला, कुतुब मीनार, इंडिया गेट, राष्ट्रपति भवन, जामा मस्जिद और हुमायूं का मकबरा यहां के प्रमुख आकर्षण हैं।

दिल्ली में हर साल लाखों विदेशी पर्यटक आते हैं।

कश्मीर

कश्मीर को धरती का स्वर्ग कहा जाता है।

गुलमर्ग, पहलगाम, डल झील और नागिन झील जैसी जगहें विदेशी पर्यटकों को खासा आकर्षित करती हैं।

कश्मीर की प्राकृतिक सुंदरता और शांत वातावरण इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर खास बनाते हैं।

सर्दियों का आलस बना सकता है बीमारियों का घर, आज से ही बदलें ये आदत

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर में सुस्ती, आलस और काम टालने की आदत बढ़ जाती है। देर तक रजाई में पड़े रहना, कम चलना-फिरना और बाहर निकलने से बचना आम हो जाता है। लेकिन डॉक्टरों और हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो सर्दियों का यही आलस कई गंभीर बीमारियों की जड़ बन सकता है। अगर समय रहते अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो इसका असर सेहत पर भारी पड़ सकता है।

सर्दियों में आलस क्यों बढ़ता है?

ठंड के मौसम में शरीर की ऊर्जा खपत कम हो जाती है। धूप कम मिलने, ठंडी हवा और कम एक्टिविटी की वजह से शरीर सुस्त महसूस करता है। इसी कारण लोग एक्सरसाइज छोड़ देते हैं और दिनभर बैठे-बैठे

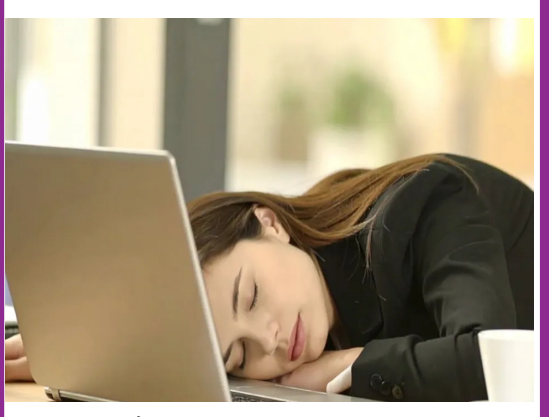

रहना पसंद करते हैं।

आलस से कौन-कौन सी बीमारियां बढ़ सकती हैं?

लगातार निष्क्रिय रहने से शरीर में कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं।

जैसे, वजन तेजी से बढ़ना

डायबिटीज का खतरा

हाई ब्लड प्रेशर

जोड़ों और पीठ दर्द

पाचन कमजोर होना

इम्युनिटी कम होना

डिप्रेशन और मूड स्विंग्स

डॉक्टर बताते हैं कि सर्दियों में एक्टिव न रहने से हार्ट और मेटाबॉलिज्म से जुड़ी बीमारियों का खतरा भी बढ़ जाता है।

इम्युनिटी पर पड़ता है सीधा असर

सर्दियों में पहले ही सर्दी-जुकाम, खांसी और वायरल इंफेक्शन का खतरा रहता है। अगर आप आलस में पड़े रहते हैं और शरीर को एक्टिव नहीं रखते, तो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे आप बार-बार बीमार पड़ सकते हैं।

आज से ही बदलें ये आदतें

अगर आप सर्दियों में भी खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहते हैं, तो इन आदतों को आज से ही अपनाएं।

रोजाना कम से कम 30 मिनट वॉक या हल्की एक्सरसाइज करें

सुबह की धूप जरूर लें।

ये गलतियां बढ़ा देते हैं फूड पॉइजनिंग का जोखिम, आज से ही बरतें सावधानी

फूड पॉइजनिंग एक ऐसी समस्या है, जिसे अगर समय रहते ध्यान न दिया गया तो स्थिति गंभीर भी हो सकती है। फूड पॉइजनिंग होने के पीछे सामान्य तौर पर हमारी ही कुछ गलतियां होती हैं, जिसके बारे में सभी लोगों को जानना चाहिए। आइए जानते हैं कौन-सी गलतियां इस बीमारी का जोखिम बढ़ा देती हैं। फूड पॉइजनिंग एक ऐसी स्थिति है जो दूषित, बासी या बैक्टीरिया युक्त भोजन के सेवन से होती है। अक्सर हम इसे पेट की सामान्य खराबी मानकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लापरवाही बरतने पर यह शरीर में डिहाइड्रेशन और अंगों की विफलता तक का कारण बन सकती है। जब साल्मोनेला, ई-कोलाई या लिस्टेरिया जैसे सूक्ष्मजीव भोजन के जरिए हमारे पाचन तंत्र में प्रवेश करते हैं, तो वे जहरीले तत्व छोड़ते हैं, जिससे उल्टी, दस्त और तेज बुखार जैसे लक्षण उभरते हैं। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, फूड पॉइजनिंग का मुख्य कारण भोजन पकाने, स्टोर करने और उसे परोसने के दौरान की जाने वाली छोटी-छोटी लोपरवाहियां होती हैं। विशेष रूप से नमी वाले मौसम और गर्मियों में यह समस्या महामारी की तरह फैलती है। भोजन की स्वच्छता केवल बाहरी सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इस बात पर भी निर्भर करती है कि भोजन को सही से उचित तापमान पर पकाया गया है या नहीं। इन जोखिमों को समझना और अपनी रसोई की आदतों में सुधार करना ही इस खतरनाक संक्रमण से बचने का एकमात्र प्रभावी तरीका है।

भोजन पकाने और स्टोर करने में हम कौन-सी गलतियां करते हैं?

फूड पॉइजनिंग का सबसे बड़ा कारण 'क्रॉस-कंटैमिनेशन' है। अक्सर लोग उसी चाकू या चॉपिंग बोर्ड का उपयोग पकी हुई चीजों के लिए करते हैं जिसका इस्तेमाल कच्चे मांस या सब्जियों के लिए किया गया था। इसके अलावा भोजन को कमरे के तापमान पर लंबे समय तक खुला छोड़ना बैक्टीरिया को पनपने का मौका देता है। फ्रिजर में रखे भोजन को बार-बार गर्म करना और फिर वापस ठंडा करना भी टॉक्सिन्स पैदा करता है।

क्या पर्सनल हाईजीन की कमी संक्रमण का कारण होती है?

जी हां हाथों की सफाई में कोताही बरतना फूड पॉइजनिंग का एक बड़ा कारण हो सकता है। भोजन बनाने से पहले या खाने से पहले हाथों को साबुन से न धोना कीटाणुओं को सीधे पेट तक पहुंचाता है। इसके अलावा रसोई के कपड़ों और स्पंज की नियमित सफाई न करना भी खतरनाक है, क्योंकि इनमें लाखों बैक्टीरिया छिपे होते हैं जो बर्तनों के जरिए भोजन को दूषित कर देते हैं।

बाहर का खाना और अधपका भोजन कितना जोखिम भरा है?

स्ट्रीट फूड और बाहर का खाना खाते समय स्वच्छता के मानकों का ध्यान न रखना अक्सर भारी पड़ता है। अधपका मांस, कच्चे अंडे या बिना धुली सब्जियां 'पैरासाइट्स' का घर होती हैं। अधपके भोजन में बैक्टीरिया जीवित रह जाते हैं और शरीर के भीतर जाकर तेजी से प्रजनन करते हैं। विशेष रूप से समुद्री भोजन और डेयरी उत्पादों के मामले में बासी भोजन भी जानलेवा साबित हो सकती है।

सतर्कता ही आपके पेट की सुरक्षा है

फूड पॉइजनिंग से बचाव पूरी तरह आपके हाथों में है। यह खबर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अक्सर स्वाद के चक्कर में सुरक्षा को भूल जाते हैं। ताजा भोजन खाएं, रसोई के औजारों को साफ सुथरा रखें और कच्चे और पके भोजन को अलग-अलग स्टोर करें। अगर संक्रमण के बाद लगातार उल्टी या तेज बुखार हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। छोटी सी सावधानी आपको अस्पताल के लंबे बिल और शारीरिक कष्ट से बचा सकती है।

दारुल उलूम फरंगी महल में तिरंगा पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित

लखनऊ (संवाददाता)। दारुल उलूम निजामिया फरंगी महल, लखनऊ में पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी तीन दिवसीय गणतंत्र दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इसी क्रम में दारुल उलूम व शाहीन एकेडमी के छात्र व छात्राओं के बीच तिरंगा पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित हुई। इस अवसर पर दारुल उलूम के नाजिम, मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली, इमाम ईदगाह लखनऊ ने इन कार्यक्रमों की अहमियत पर रौशनी डाली। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर होने वाले ऐसे आयोजन हमारी नई पीढ़ी के लिए अत्यंत शिक्षाप्रद हैं। कम समय में वे इनके महत्व, आवश्यकता और उपयोगिता से परिचित हो जाते हैं। मौलाना फरंगी महली ने कहा कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा है, जो हर भारतीय की शान है। इसके तीनों रंग अपने-अपने भीतर गहरी और महत्वपूर्ण अर्थवत्ता रखते हैं। तिरंगा पेंटिंग प्रतियोगिता में जूनियर ग्रुप से मुहम्मद साहिल को प्रथम, मुहम्मद इस्लाम को द्वितीय और मुहम्मद इब्राहीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इसी प्रकार सीनियर ग्रुप में मुहम्मद हारून शादाब को प्रथम, मुहम्मद हमजा अकरम को द्वितीय और मुहम्मद बिलाल इस्लाम को तृतीय स्थान मिला। इस अवसर पर मुफ्ती अतीकुर्रहमान, मौलाना अजहरुद्दीन, कारी मुहम्मद हारून, कारी तनवीर आलम, कारी कमरुद्दीन, कारी अब्दुल मुईस, कारी मुहम्मद शमीम तथा अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए भारतीय टीम का एलान, इस स्टार ओपनर की हुई वापसी

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय महिला चयन समिति ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेले जाने वाले एकमात्र टेस्ट के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। चयन समिति ने 15 सदस्यीय टीम का एलान किया, जिसमें स्टार खिलाड़ियों भरे हुए हैं। साथ ही टीम में स्टार ओपनर प्रतिका रावल की भी वापसी हुई है, जो पिछले काफी समय से पैर में चोट की वजह से बाहर हैं। प्रतिका को विश्व कप के दौरान चोट लगी थी और इसके बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से दूर रही हैं, लेकिन टेस्ट से वह वापसी करने जा रही हैं। उन्हें दौरे पर वनडे और टी20 टीम में जगह नहीं मिली है।

यह देखने वाली बात होगी कि प्रतिका और शेफाली में से टेस्ट में किसे ओपनिंग का मौका मिलता है। छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा मैच यह चार दिवसीय टेस्ट मैच पर्थ के मैदान पर छह से नौ मार्च तक खेला जाएगा। टीम की कमान हरमनप्रीत कौर ही संभालेंगी। वहीं, स्मृति मंधाना उपकप्तान होंगी। यह टेस्ट मैच भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के आखिरी में खेला जाएगा। इस दौरे की शुरूआत फरवरी के मध्य में होगी। इसके बाद सीमित ओवरों के प्रारूप के छह मुकाबले खेले जाएंगे। सीरीज की शुरूआत तीन टी20 मैचों से होगी, फिर तीन वनडे मैच खेले जाएंगे। दौरे का पहला मुकाबला सिडनी में 15 फरवरी को टी20 के रूप में खेला जाएगा। भारतीय महिला टेस्ट टीम इस प्रकार हैः हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, अमनजोत कौर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री, प्रतिका रावल, हरलीन देओल, दीप्ति शर्मा, रेणुका ठाकुर, स्नेह राणा, क्रांति गौड़, वैष्णवी शर्मा, सयाली सतघरे। कमालिनी की रिप्लेसमेंट बनीं उमा विकेटकीपर गुनालन कमालिनी दौरे से बाहर हो चुकी हैं। उनकी जगह तीनों प्रारूपों मेंउमा छेत्री को मौका दिया गया है। भारतीय महिला टीम ने अपने पिछले टेस्ट मैच में 2024 में दक्षिण अफ्रीका को चेन्नई में 10 विकेट से हराया था। भारतीय महिला टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछला टेस्ट दिसंबर 2023 में खेला था। वानखेड़े में खेले गए इस मुकाबले में भारत ने आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत की टीम में कई अनुभवी खिलाड़ी शामिल छेत्री अभी तक टेस्ट डेब्यू नहीं कर पाई हैं, जबकि ऋचा घोष दो टेस्ट मैच खेल चुकी हैं। घोष का पिछला टेस्ट दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ था, जिसमें उन्होंने विकेटकीपर की भूमिका निभाई थी। स्पिन विकल्पों में दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा जैसी ऑलराउंडर शामिल हैं, जबकि एक और नई खिलाड़ी वैष्णवी को भी टीम में जगह मिली है। ये खिलाड़ी टेस्ट टीम से हुईं बाहर वहीं तेज गेंदबाजी विभाग में रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़ और ऑलराउंडर अमनजोत मौजूद हैं। वहीं, साइका इशाक, राजेश्वरी गायकवाड़, पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, मेघना सिंह और प्रिया पुनिया, जो सभी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले टेस्ट टीम का हिस्सा थीं, इस बार टीम से बाहर हो गई हैं। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की वनडे टीमः स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, हरलीन देओल, स्नेह राणा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, क्रांति गौड़, काश्वी गौतम। ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए भारत की टी20 टीमः स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, भारती फुलमली, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), वैष्णवी शर्मा, दीप्ति शर्मा, अमनजोत कौर, श्रेयंका पाटिल, स्नेह राणा, ऋचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका ठाकुर, श्री चरणी, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी।

रूस से तेल आयात घटा रहा इंडियन ऑयल, ब्राजील-अंगोला से खरीद बढ़ी; अमेरिका से व्यापार समझौते में मदद

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सबसे बड़ी रिफाइनरी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने मार्च में रूसी तेल में कटौती की भरपाई के लिए ब्राजील की पेट्रोब्रास समेत कई अन्य देशों से 70 लाख बैरल तेल खरीदा है। घरेलू रिफाइनरियां अपने शीर्ष आपूर्तिकर्ता रूस से दूरी बनाने और मध्य पूर्व से आयात बढ़ाने के लिए रणनीतियों में बदलाव कर रही हैं। यह कदम भारत को अमेरिका के साथ टैरिफ कम करने के लिए व्यापार समझौता करने में मदद कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, आईओसी ने शेल से अबू धाबी के मुरबान ग्रेड का 10

लाख बैरल और व्यापारी मर्कुरिया से अपर जाकुम ग्रेड का 20 लाख बैरल खरीदा है। एक्सॉन से अंगोला के हंगो और क्लोव ग्रेड का 10 लाख बैरल भी खरीदा है। आईओसी ने वैकल्पिक अनुबंध के तहत पेट्रोब्रास से ब्राजील के बुजियोस तेल के 20 लाख बैरल भी खरीदे हैं, जो पारस्परिक रूप से सहमत शर्तों पर सौदा करने की सुविधा प्रदान करता है। रूस से दूरी, रणनीति में बदलाव गोपनीयता समझौतों के कारण तेल खरीदी के कुल मूल्य का आंकड़ा कंपनियों ने नहीं दिया है। आंकड़ों के अनुसार, दिसंबर में भारत का रूसी तेल आयात दो वर्षों में सबसे निचले स्तर पर आ गया। दूसरी ओर, ओपेक देशों से आयात का हिस्सा 11 महीनों के उच्च स्तर पर पहुंच गया। 2022 में यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत रियायती रूसी समुद्री कच्चे तेल का सबसे बड़ा खरीदार बनकर उभरा, आईओसी ने पिछले माह कोलंबिया की सरकारी तेल कंपनी इकोपेट्रोल से वैकल्पिक आपूर्ति समझौते के तहत पहला कोलंबियाई तेल खरीदा। इक्वाडोर के ओरिएंट क्रूड की भी पहली बार खरीदी की थी। अमेरिका से व्यापार समझौते को मिल सकती है मजबूती ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि रूस से तेल आयात में कटौती और अन्य देशों से खरीद बढ़ाने का यह कदम भारत को अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते में मदद कर सकता है। खासतौर पर टैरिफ में राहत और ऊर्जा व्यापार को लेकर भारत की स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि गोपनीयता समझौतों के चलते इन सौदों की कुल कीमत सार्वजनिक नहीं की गई है, लेकिन यह साफ है कि भारतीय रिफाइनरियां अब केवल सस्ती आपूर्ति नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक संतुलन और दीर्घकालिक रणनीति को ध्यान में रखकर फैसले ले रही हैं।

टैरिफ संकट के बीच केंद्र का बड़ा दांव, विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। वैश्विक टैरिफ संकट के बीच केंद्र सरकार 15 प्रमुख क्षेत्रों में विनिर्माण बढ़ाकर 2035 तक निर्यात तीन गुना करने की योजना बना रही है। लालफीताशाही घटाने और हब विकसित करने पर जोर है। वैश्विक अनिश्चितता और उच्च टैरिफ संकट के बीच भारत भारी खर्च करने के बजाय रणनीतिक बदलावों के जरिये विनिर्माण को बढ़ावा देकर 2035 तक देश के निर्यात को तीन गुना करने की योजना बना रहा है। दो सरकारी अधिकारियों ने बताया, इसके लिए प्रधानमंत्री की तीसरी ऐसी कोशिश में देश 15 क्षेत्रों में विनिर्माण को प्राथमिकता दे रहा है, जिसमें हाई-एंड सेमीकंडक्टर, मेटल और श्रम आधारित लेदर इंडस्ट्री शामिल हैं। इसका मकसद भारत की आर्थिक वृद्धि को बढ़ाना और माल निर्यात को सालाना 1.3 लाख करोड़ डॉलर तक पहुंचाना है। दरअसल, मोदी सरकार जीडीपी में विनिर्माण का हिस्सा दोगुना कर 25 फीसदी करने में दो बार नाकाम रही है। पहला...2014 में मेक इन इंडिया अभियान के जरिये और दूसरा... 2020 में 23 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज के साथ। नीति निमार्ताओं में शामिल एक अधिकारी ने बताया, पिछले कुछ वर्षों में सरकार की कई पहलों के बावजूद विनिर्माण में धीमी वृद्धि देखने को मिली है। अब तीसरी कोशिश में बदलाव लाने के लिए एक साहसिक, फोकस्ड और एकजुट रणनीति की जरूरत है। लालफीताशाही कम करने पर जोर अधिकारियों ने बताया, सरकार ने योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए एक पैनल बनाया है, जिसका फोकस बड़ी परियोजनाओं के लिए तेज नियामकीय मंजूरी, जमीन और सस्ता फाइनेंस उपलब्ध कराने पर होगा। इस पैनल की अध्यक्षता एक मंत्री करेंगे, जिसमें कैबिनेट सचिव सहित नौकरशाह भी शामिल होंगे। विनिर्माण हब की पहचान मौजूदा इन्फ्रा, भौगोलिक फायदों और बंदरगाहों से नजदीकी के आधार पर की गई है। यह पैनल विनिर्माण हब के लिए सस्ती बिजली आपूर्ति कराने को राज्यों के साथ काम करेगा। विनिर्माण हब पर खर्च होंगे 100 अरब रुपये अधिकारियों ने बताया, सरकार लक्षित क्षेत्रों में करीब 30 विनिर्माण हब के लिए बुनियादी ढांचा बनाने पर लगभग 100 अरब रुपये खर्च करेगी। वहीं, चिप्स और एनर्जी स्टोरेज जैसे एडवांस्ड एरिया के लिए 21.8 करोड़ डॉलर का ग्रांट देगी।

सिनर-कीज और पेगुला ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में; बालाजी-ओबरलीटनर बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। पिछले दो बार के चैंपियन यानिक सिनर ने भीषण गर्मी से जूझने के बावजूद शनिवार को यहां ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूनार्मेंट के चौथे दौर में प्रवेश करके खिताबी हैट्रिक बनाने की अपनी कवायद जारी रखी। सिनर जब हाथ पैरों में ऐंठन को दूर करने के लिए जूझ रहे थे और तीसरे सेट में 1-3 से पिछड़ रहे थे तब भीषण गर्मी के नियमों ने उन्हें बचा लिया। शनिवार दोपहर को रॉड लेवर एरिना में खेल कुछ मिनटों के लिए रोक दिया गया और छत बंद कर दी गई। इसके बाद सिनर ने नई ऊर्जा के साथ कोर्ट पर कदम रखा। उन्होंने अगले छह गेम में से पांच जीतकर 85वीं रैंकिंग के खिलाड़ी इलियट स्पिजिर्री को 4-6, 6-3, 6-4, 6-4 से पराजित किया। सिनर ने बाद में कहा, 'मुझे शारीरिक रूप से काफी परेशानी हुई। गर्मी के नियम की वजह से मुझे राहत मिली। जैसे-जैसे समय बीतता गया, मैं बेहतर महसूस करने लगा।' सिनर अगले दौर में इटली के हमवतन खिलाड़ी लुसियानो डाडेर्री का सामना करेंगे, जिन्होंने नंबर 15 करेन खाचानोव को 7-6 (5), 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। इटली के तीन खिलाड़ी अंतिम 16 में पहुंच गए हैं। इनमें तीसरे खिलाड़ी पांचवीं वरीयता प्राप्त लोरेंजो मुसेटी हैं जिन्होंने जॉन केन एरिना में खेले गए मैच में टॉमस माचक को 5-7, 6-4, 6-2, 5-7, 6-2 से हराया। इस मैच को भी पांचवें सेट में छत बंद करने के लिए थोड़ी देर के लिए रोकना पड़ा था। विश्व में आठवें नंबर के खिलाड़ी बेन शेल्टन भी आगे बढ़ गए हैं। उन्होंने मार्गरिट कोर्ट एरिना पर मोनाको के वैलेंटीन

वाचेरोट को 6-4, 6-4, 7-6 (5) से पराजित किया। इस बीच महिला वर्ग में मौजूदा चैंपियन मैडिसन कीज और उनकी हमवतन अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने भी सीधे सेटों में जीत दर्ज करके चौथे दौर में प्रवेश किया जहां उनका आमना सामना होगा। नौवीं वरीयता प्राप्त कीज ने रोड लेवर एरिना में खेले गए पहले मैच में कैरोलिना प्लिस्कोवा को 6-3, 6-3 से हराया, जबकि छठी वरीयता प्राप्त पेगुला ने मार्गरिट कोर्ट एरिना में खेले गए पहले मैच में ओक्साना सेलेखमेतेवा को 6-3, 6-2 से पराजित किया। अमेरिका की एक अन्य खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा ने हमवतन पेटन स्टर्न्स को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। सातवें दिन खेल निर्धारित समय से एक घंटा पहले शुरू हुआ, क्योंकि पूवार्नुमान में 40 डिग्री सेल्सियस (104 फारेनहाइट) तक के तापमान की आशंका थी। शुरूआती मैचों के दौरान तापमान उस स्तर तक नहीं पहुंचा। इस दौरान तापमान 32 डिग्री सेल्सियस (89 फारेनहाइट) रहा। कीज ने कहा कि उन्हें चौथे दौर में पेगुला के खिलाफ कड़े मुकाबले की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'जेस बेहतरीन खिलाड़ी है। वह हर मैच में लगातार अच्छा प्रदर्शन करती है। वह हर मैच में अपनी जीवंत उपस्थिति दर्ज कराती है। उसके खिलाफ मुकाबला काफी कड़ा होगा।' भारत के एन श्रीराम बालाजी और उनके ऑस्ट्रियाई साथी नील ओबरलीट्नर शनिवार को यहां सीधे सेटों में हारकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन टेनिस टूनार्मेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर से बाहर हो गए। बालाजी और ओबरलीट्नर को अल सल्वाडोर के मासेलो अरेवालो और क्रोएशिया के माटे पाविच की चौथे वरीयता प्राप्त जोड़ी से 5-7, 1-6 से हार का सामना करना पड़ा, जिन्होंने मेलबर्न पार्क के शो कोर्ट पर अपनी निरंतरता और बड़े मैचों के खेलने का अच्छा नमूना पेश किया। बालाजी और ओबरलीटनर की जोड़ी ने पहले सेट में कड़ी टक्कर दी, लेकिन वे अहम मौकों को भुनाने में असमर्थ रहे। इससे अरेवालो-पाविच की जोड़ी को नियंत्रण हासिल करने का मौका मिला और उन्होंने दूसरे सेट में जल्दी जीत हासिल करके मुकाबला अपने नाम कर लिया।

अनाहत सिंह ने स्प्राट चैंपियंस स्क्वाश के दूसरे दौर में जगह बनाई, अभय को मिली हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनाहत सिंह ने स्प्राट टूनार्मेंट ऑफ चैंपियंस में शानदार प्रदर्शन किया और दूसरे दौर में जगह बनाई। भारत की शीर्ष महिला स्क्वाश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अंतिम

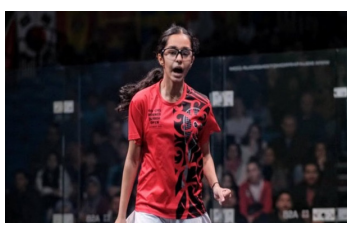

क्षणों में कुछ विषम परिस्थितियों का सामना करने के बावजूद लूसी टरमेल को हराकर न्यूयॉर्क में चल रहे स्प्राट टूनार्मेंट ऑफ चैंपियंस के दूसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। विश्व में 31वें नंबर की खिलाड़ी अनाहत ने पीएसए प्लैटिनम प्रतियोगिता में इंग्लैंड की टरमेल को 11-3, 11-6, 9-11, 13-11 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीयता प्राप्त सतोमी वातानाबे से होगा। इस बीच पुरुषों की विश्व रैंकिंग में 29वें स्थान पर काबिज भारत के अभय सिंह स्पेन के इकर पजारेस के सामने कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद 4-11, 11-4, 7-11, 11-3, 3-11 से हार गए।

वैश्विक चुनौतियों के बीच दावोस में भारत पर दुनिया ने जताया भरोसा, पांच दिन चली वार्षिक बैठक का समापन

नई दिल्ली (एजेंसी)। विश्व आर्थिक मंच में दावोस में हुई बैठक वैश्विक अनिश्चितता और एआई के जोखिमों की चेतावनी के साथ समाप्त हुई। इस दौरान भारत दुनिया में जारी आर्थिक सुस्ती के बीच एक उम्मीद की किरण बनकर उभरा। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ने भी भारत के साथ 'अच्छी ट्रेड डील' का वादा किया। स्विट्जरलैंड के दावोस में आयोजित विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की पांच दिवसीय वार्षिक बैठक शुक्रवार को समाप्त हो गई। वैश्विक परिदृश्य पर जहां भू-राजनीतिक संघर्षों, संरक्षणवाद, बढ़ते कर्ज और आर्थिक सुस्ती के बादल छाए रहे, वहीं भारत ने दुनिया के सामने 'उम्मीद की किरण' पेश की है।

भारत का मजबूत पक्षः निवेश और विकास सम्मेलन में 'भारतीय विकास की कहानी' मजबूती से गूंजी। भारत के 10 राज्यों ने निवेश आकर्षित करने के लिए अपना पक्ष रखा और करोड़ों रुपये के निवेश समझौतों की घोषणा की। विदेशी नेताओं और मुख्य अर्थशास्त्रियों के आउटलुक ने माना कि इस साल वैश्विक आर्थिक स्थितियां कमजोर हो सकती हैं, लेकिन भारत दक्षिण एशिया में विकास का सबसे मजबूत केंद्र बना रहेगा। हालांकि, इन भारी-भरकम निवेश आंकड़ों पर दबी जुबान में सवाल भी उठे। ट्रंप की वापसी और 'अच्छी डील' का वादा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सम्मेलन में चर्चा के केंद्र में रहे। अपनी विशिष्ट शैली में उन्होंने विरोधियों पर निशाना साधा, लेकिन साथ ही यूक्रेन और गाजा शांति योजनाओं पर प्रगति के संकेत भी दिए। उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से मुलाकात की और रूसी राष्ट्रपति पुतिन को युद्ध समाप्त करने का संदेश भेजा। भारत पर भी ट्रंप का रुख नरम नजर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को अपना मित्र बताते हुए ट्रंप ने अमेरिका-भारत व्यापार समझौते पर जल्द ही एक अच्छी डील होने का भरोसा दिलाया। कई अन्य यूरोपीय नेताओं ने भी भारत के साथ व्यापार समझौतों का जिक्र किया। एआई की सुनामी और गिरता भरोसा सम्मेलन में 'विश्वास की कमी' और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जोखिम प्रमुख चिंता के विषय रहे।

ईशान के दमदार प्रदर्शन से सैमसन पर बढ़ेगा दबाव, गेंदबाजी आक्रमण में बदलाव की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है और भारत के पास इसकी तैयारियों को परखने के लिए अब तीन मैच ही बचे हैं। संजू सैमसन को अगर एकादश में जगह पक्की रखनी है तो उन्हें जल्द फॉर्म में वापसी करनी होगी। भारत न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में बढ़त बनाए हुए हैं। इसके बावजूद क्या टीम प्रबंधन

प्लेइंग-11 में बदलाव कर सकता है? भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले दो मैच जीतकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। भारतीय टीम अब रविवार को गुवाहाटी में होने वाले तीसरे टी20 मैच को जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेगी। भारत के लिए राहत की बात यह है कि ईशान किशन और कप्तान सूर्यकुमार यादव टी20 विश्व कप से पहले लय में आ गए हैं। ईशान की दमदार पारी से हालांकि, सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन पर दबाव बढ़ेगा जो अब तक इस सीरीज में बड़ी पारी नहीं खेल सके हैं। विश्व कप के लिए भारत का संयोजन लगभग तय टी20 विश्व कप को शुरू होने में अब कुछ दिन का ही समय शेष है और कुछ स्थान को छोड़ दिया जाए तो भारत की एकादश लगभग तय ही है। देखना दिलचस्प होगा कि इस वैश्विक टूनार्मेंट में अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज कौन उतरेगा। इसमें कोई शक नहीं है कि सैमसन इसके लिए पहली पसंद हैं, लेकिन जिस तरह वह संघर्ष कर रहे हैं उसे देखते हुए सैमसन पर प्रदर्शन करने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। सैमसन को मौके का उठाना होगा फायदा भारत बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। केवल कुछ स्थान को लेकर ही टीम चिंतित होगी जिनमें से एक स्थान फिलहाल सैमसन के पास है। ईशान की 32 गेंदों पर खेली गई शानदार 76 रनों की पारी ने संजू पर दबाव बढ़ा दिया है। टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल की जगह अभिषेक के साथ सलामी बल्लेबाज के रूप में बहाल किए गए सैमसन मौकों का पूरा फायदा उठाने में नाकाम रहे हैं, जबकि उन्हें काफी मैच खेलने का मौका मिला है। गिल तकनीकी रूप से मजबूत होने के बावजूद टी20 मैचों में कोई खास प्रभाव नहीं डाल पाए थे और इसलिए संजू को अंतिम एकादश में शामिल करने के साहसिक फैसले के तहत उन्हें बाहर कर दिया गया। लेकिन अपने पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम में वापसी करने पर केरल का यह विकेटकीपर बल्लेबाज अभी तक उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा है। ऐसे में यह सीरीज उनके लिए निर्णायक साबित हो सकती है। तेज गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी एक बार फिर उजागर हो गई है।

मजबूत विकास और कम महंगाई के बीच संतुलन सरकार की सबसे बड़ी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की अर्थव्यवस्था में अनुमान से तेज वृद्धि और नियंत्रित महंगाई के माहौल में आने वाले केंद्रीय बजट में स्थिरता और वित्तीय संतुलन पर विशेष जोर रहने की उम्मीद है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी का मानना है कि सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती वैश्विक अनिश्चितताओं और बाजारों की अस्थिरता के बीच सार्वजनिक वित्त की मजबूती बनाए रखना होगा। जोशी के मुताबिक इस बार बजट अपेक्षाकृत अनुकूल आर्थिक परिस्थितियों में तैयार किया जा रहा है। आर्थिक वृद्धि अनुमान से बेहतर रही है और महंगाई भी अपेक्षा से कम दर्ज हुई है। इससे नीति निर्माण में सरकार को कुछ राहत जरूर मिली है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय आर्थिक हालात अभी भी जोखिम पैदा कर रहे हैं। नाममात्र ऋछद्ध से बढ़ेगा राजस्व आधार जोशी के मुताबिक 2026-27 वित्त वर्ष में नाममात्र जीडीपी के बढ़ने की उम्मीद है, जिससे कर संग्रह में सुधार और कॉरपोरेट सेक्टर की स्थिति मजबूत हो सकती है। हालांकि उन्होंने चेतावनी दी कि वैश्विक आर्थिक परिदृश्य बेहद अनिश्चित और अस्थिर है, इसलिए सरकार को वित्तीय अनुशासन बनाए रखना होगा। सरकार ने जीडीपी का अनुमान कितना बढ़ाया? सरकार ने 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि अनुमान को बढ़ाकर लगभग 7.3-7.4 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6.3 प्रतिशत था। आईएमएफ ने भी इसी तरह का अनुमान लगाया है। जोशी के अनुसार अगले वित्त वर्ष में आर्थिक वृद्धि करीब 6.7 प्रतिशत रह सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि 27 फरवरी को होने वाली जीडीपी री-बेसिंग से अर्थव्यवस्था के आकार और गति को लेकर नई तस्वीर सामने आ सकती है। अमेरिका और यूरोप से व्यापार समझौते पर जोर अंतरराष्ट्रीय व्यापार के संदर्भ में जोशी ने अमेरिका और यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौते को अहम बताया। उनका कहना है कि इससे भारतीय निर्यातकों को स्थिरता मिलेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत पर लागू उच्च टैरिफ का असर और अधिक बढ़ सकता है, अगर अमेरिका के साथ समझौता नहीं हुआ। राजकोषीय मोर्चे पर राज्यों की चिंता जोशी के मुताबिक केंद्र सरकार अपने राजकोषीय लक्ष्य हासिल करने की स्थिति में है।

अलीगंज क्षेत्र में दो दिन बाधित रहेगी पेयजल आपूर्ति

लखनऊ (संवाददाता)। अलीगंज क्षेत्र के नागरिकों को आगामी दो दिनों तक पेयजल आपूर्ति में अस्थायी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। नगर निगम के जोन-3 के अंतर्गत सेक्टर-बी अलीगंज में नवनिर्मित शिरोपरि जलाशय (ओवरहेड टैंक) के अंतः संयोजन (इंटरकनेक्शन) का कार्य दिनांक 27 जनवरी 2026 एवं 28 जनवरी 2026 को प्रस्तावित है। इस तकनीकी कार्य के कारण जोन-3 के अंतर्गत आने वाले अलीगंज क्षेत्र की पेयजल आपूर्ति प्रभावित रहेगी। जलकल विभाग के अधिकारियों के अनुसार यह कार्य भविष्य में क्षेत्रवासियों को बेहतर, सुचारू और अधिक दबाव के साथ स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है। शिरोपरि जलाशय के अंतः संयोजन के बाद जल वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी होगी तथा जलापूर्ति से जुड़ी समस्याओं में स्थायी सुधार आने की संभावना है। हालांकि, कार्य के दौरान अस्थायी रूप से जलापूर्ति रोकी जाना तकनीकी दृष्टि से आवश्यक है।निगम प्रशासन द्वारा सम्मानित नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए पूर्व से ही पर्याप्त मात्रा में पेयजल का भंडारण कर लें।

फोटो खिंचाने के बहाने उन्होंने मेरी कमर छुई और फिर

मौनी रॉय के साथ एक इवेंट में हुई छेड़छाड़; जताई नाराजगी

अभिनेत्री मौनी रॉय को हाल ही में एक ऐसे घटनाक्रम का सामना करना पड़ा, जिसको लेकर उन्हें शर्मिंदगी महसूस हो रही है। इस मामले पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है अभिनेत्री मौनी रॉय ने सोशल मीडिया पर एक लंबे पोस्ट में एक हैरान करने वाला खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने आरोप लगाया कि हाल ही में हरियाणा में हुए एक कार्यक्रम में कुछ बुजुर्ग पुरुषों ने उनके साथ छेड़छाड़ की। एक्ट्रेस इस हैरान कर देने वाले घटनाक्रम से सदमे में हैं और उन्हें भारी शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। फोटो खिचाने के बहाने किया ये काम मौनी ने अपने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी साझा की है। मौनी ने इंस्टाग्राम पर दो स्टोरी साझा की हैं। इनमें उन्होंने लंबे नोट के साथ अपने साथ हुए हादसे का जिक्र किया है। एक्ट्रेस ने लिखा, पिछले दिनों करनाल में एक कार्यक्रम था और मेहमानों के व्यवहार से मैं बेहद निराश हूं। खासकर उन दो अंकल लोगों के व्यवहार से जो दादा-दादी की उम्र के हैं। जैसे ही कार्यक्रम शुरू हुआ और मैं मंच की ओर बढ़ी, अंकल और परिवार के सदस्यों सभी पुरुष ने तस्वीरें खींचने के लिए मेरी कमर पर हाथ रख दिया। जब मैंने कहा 'सर, कृपया अपना हाथ हटा लें', तो मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं आया। वीडियो बनाया और गालियां दीं अभिनेत्री ने आगे बताया, मंच पर तो और भी बुरा हाल था। दो अंकल ठीक मेरे सामने खड़े हो गए और अश्लील टिप्पणियां करने लगे, मुझे अश्लील इशारे करने लगे और गालियां देने लगे। मुझे इसका एहसास हुआ और मैंने पहले तो विनम्रता से उन्हें ऐसा न करने का इशारा किया, जिस पर उन्होंने मुझ पर गुलाब फेंकना शुरू कर दिया। प्रदर्शन के बीच में ही मैं मंच से बाहर निकलने की ओर चली गई, लेकिन तुरंत वापस आकर अपना कार्यक्रम पूरा किया। इसके बाद भी वे नहीं रुके और न ही किसी परिवार या आयोजक ने उन्हें आगे से हटाया।

देशभक्ति से भरपूर मातृभूमि ने जीता दिल, बैटल ऑफ गलवान के गाने पर फैंस हुए इमोशनल

बैटल ऑफ गलवान के मेकर्स ने टीजर के बाद अब फिल्म का पहला गाना मातृभूमि रिलीज कर दिया है। यह गाना फिल्म के म्यूजिकल सफर की पहली झलक देता है, जिसमें देशभक्ति और इमोशन दोनों साफ महसूस होते हैं। सादा लेकिन असरदार यह गाना फिल्म की कहानी का मूड सेट करता है और रिलीज से पहले दर्शकों की एक्साइटमेंट को और बढ़ा देता है। इस गाने में सलमान खान एक भारतीय सेना अधिकारी के रूप में नजर आ रहे हैं, जबकि उनके साथ चित्रांगदा सिंह दिखाई देती हैं और उनकी ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री काफी नैचुरल और जुड़ाव भरी लगती है। दोनों को दो छोटे बच्चों के साथ एक परिवार के रूप में दिखाया गया है, जहां घर के सुकून भरे पल और गलवान की जंग के कड़े

दृश्य साथ-साथ चलते हैं। मातृभूमि गाते हुए परिवार के ये सीन ड्यूटी और संघर्ष के पलों से जुड़ते हैं, जो प्यार, बलिदान और देशसेवा के भाव को और भी गहराई से सामने लाते हैं। मातृभूमि गाना बैटल ऑफ गलवान का इमोशनल और देशभक्ति से भरा एहसास है। इस गाने को हिमेश रेशमिया ने कंपोज किया है, जो एक बार फिर दिल को छू लेने वाली और असरदार धुन के साथ अपनी खास पहचान छोड़ते हैं। हिमेश ने बताया कि बैटल ऑफ गलवान के लिए मातृभूमि बनाना उनके लिए काफी इमोशनल रहा। उन्होंने कहा कि गाने की फील सेना की बीट्स और उनकी एनर्जी से आई है। अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल के साथ काम करना खास था, और सलमान खान के साथ फिर से जुड़ना, साथ ही सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक लेबल से गाने का रिलीज होना, इस पूरे सफर को और भी स्पेशल बना देता है।मातृभूमि के बोल समीर अंजन ने लिखे हैं, जबकि इसे अरिजीत सिंह और श्रेया घोषाल ने अपनी आवाज दी है, जो इंडियन म्यूजिक की सबसे पसंदीदा आवाजों में से हैं। बैटल ऑफ गलवान को सलमा खान ने सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले प्रोड्यूस किया है, जबकि फिल्म के निर्देशक अपूर्व लाखिया हैं। इसका म्यूजिक सलमान खान फिल्म्स म्यूजिक लेबल से रिलीज हुआ है और सोनी म्यूजिक इंडिया इसकी ऑफिशियल म्यूजिक डिस्ट्रीब्यूशन पार्टनर है। फिल्म बहादुरी, बलिदान और जज्बे की कहानी दिखाने का वादा करती है, जिसमें चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में नजर आएंगी।

शाहरुख खान ने फैंस को दिया बड़ा सरप्राइज

किंग की रिलीज डेट आई सामने; इस त्योहार पर होगा बड़ा धमाका

शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी गई है। जानिए, किंग खान की यह फिल्म कब रिलीज होगी? शाहरुख खान ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर फिल्म किंग का एक टीजर शेयर किया। साथ ही अपनी इस अपकमिंग फिल्म की रिलीज डेट भी बताई है। यह फिल्म 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में

रिलीज होगी। इस बार क्रिसमस का त्योहार शाहरुख खान के नाम होने वाला है। 'किंग' के टीजर में शाहरुख खान के किरदार का लुक भी सामने आया है। साथ ही फिल्म की कहानी की भी झलक मिली है। शाहरुख खान ने लिखा- 'किंग' सिनेमाघरों में दहाड़ने को तैयार शाहरुख खान ने अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में 'किंग' का दमदार टीजर शेयर किया। साथ ही कैप्शन में लिखा, 'फिल्म 'किंग' 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में दहाड़ने के लिए तैयार है।' किंग खान की इस पोस्ट को फैंस ने भी लाइक किया है। वह अपने पसंदीदा एक्टर की फिल्म देखने के लिए एक्साइटेड हैं। 'किंग' के टीजर में दिखा क्या खास? फिल्म 'किंग' के टीजर में शाहरुख खान का किरदार पहले एक पहाड़ की चोटी पर नजर आता है। फिर अचानक जोर से चींखता है। इसके बाद एक कांच की छत को तोड़ते हुए शाहरुख का किरदार सामने आता है। वह खून से लथपथ नजर आता है। इस लुक में शाहरुख खान खतरनाक नजर आ रहे हैं। ऐसा लगता है कि यह किरदार किसी बात का बदला विलेन से लेना चाहता है।

'संदेसे आते हैं के बिना बॉर्डर अधूरी', जावेद अख्तर के क्रिएटिव दिवालियापन वाले बयान पर सोनू निगम ने कही ये बात

साल 2026 की बहुप्रतीक्षित वॉर ड्रामा फिल्म बॉर्डर 2 रिलीज हो चुकी है और सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म की कहानी के साथ-साथ फिल्म का गीत घर कब आओगे भी चर्चाओं में बना हुआ है। इस गाने ने लोगों के जेहन में संदेसे आते हैं की यादें ताजा कर दी हैं। वहीं इस गाने ने एक नई बहस भी छेड़ दी है। जिस पर गीतकार जावेद अख्तर और ओरिजिनल गीत के गायक सोनू निगम ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। सोनू निगम का मानना है कि कुछ धुनें उन कहानियों से पूरी तरह से जुड़ी होती हैं, जिनमें वे जन्म लेती हैं। इससे पहले जावेद अख्तर ने पुरानी धुनों के ही इस्तेमाल को क्रिटिव दिवालियापन करार दिया था। सोनू निगम ने फिल्म के रिलीज के दिन एक वीडियो अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया। सोनू निगम ने संदेसे आते हैं में भी आवाज दी थी और बॉर्डर 2 में इसके री-क्रिएट वर्जन घर कब आओगे में भी आवाज दी है। अपने इस वीडियो में सोनू निगम ने बॉर्डर फ्रेंचाइज के साथ अपने लंबे सफर को याद करते हुए कहा कि मैं पहली बार 1997 में 'बॉर्डर' के प्रीमियर में गया था। अब 2026 में मैं 'बॉर्डर 2' के प्रीमियर में खड़ा हूं। मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह खूबसूरत सफर इतने साल तक चलेगा। निरंतर प्यार के लिए दर्शकों का धन्यवाद। बॉर्डर एक ऐसी फ्रेंचाइज है जो सच्ची कहानियां दिखाती है, काल्पनिक नहीं। ये हमारे देश और हमारे सैनिकों की कहानियां हैं और हमारी जीत की कहानियाँ हैं। मेकर्स ने म्यूजिक पर विशेष ध्यान दिया है। जो युद्ध हमने कई साल पहले असल में जीता था, उसे हम बॉर्डर 2 के जरिए फिर से जीतेंगे। इस गाने के बिना बॉर्डर 2 की कल्पना नहीं कर सकते जावेद अख्तर द्वारा पुराने गानों को फिर से री-क्रिएट किए जाने को बौद्धिक और क्रिएटिव दिवालियापन बताने पर भी सोनू निगम ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि हां, जावेद सर बिल्कुल सही कह रहे हैं कि पुराने गानों को वापस लाना अच्छा नहीं है। लेकिन अगर 'बॉर्डर' एक सैनिक है, तो 'संदेशे आते हैं' उसकी वर्दी है। हम इस गाने के बिना 'बॉर्डर' की कल्पना भी नहीं कर सकते। जावेद साहब को 'बॉर्डर 2' का नया गाना 'मिट्टे के बेटे' जरूर पसंद आएगा, जो सैनिकों और राष्ट्र को एक श्रद्धांजलि है। जावेद अख्तर ने इसलिए नहीं लिखे बॉर्डर 2 के गाने जावेद अख्तर ने बॉर्डर फिल्म के गाने लिखे थे। ओरिजिनल गीत संदेसे आते हैं भी उन्होंने ही लिखा है। लेकिन बॉर्डर 2 में उन्होंने गीत लिखने से मना कर दिया। इसके पीछे उन्होंने वजह बताते हुए कहा था कि क्लासिक गानों के रीमेक बनाना बौद्धिक और रचनात्मक रूप से दिवालियापन की निशानी है। इसीलिए उन्होंने सीक्वल के लिए 'घर कब आओगे' के बोल लिखने से इनकार कर दिया था। बाद में सह-निर्माता भूषण कुमार ने इस फैसले पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि फिल्म की भावनात्मक पहचान के लिए गाने को बरकरार रखना बेहद जरूरी था। मनोज मुंतशिर ने लिखा है घर कब आओगे संदेसे आते हैं का री-क्रिएटेड वर्जन घर कब आओगे को मनोज मुंतशिर ने लिखा है। जबकि इस गाने में सोनू निगम के साथ अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ और विशाल मिश्रा ने अपनी आवाजें दी हैं। गाने को काफी पसंद किया गया है।

मेरी छवि खराब करने की..40 लाख की धोखाधड़ी के मामले में पलाश मुछाल ने तोड़ी चुप्पी, कानूनी कार्रवाई की कही बात

संगीतकार और फिल्म निमार्ता पलाश मुछाल इस वक्त एक विवाद को लेकर सुर्खियों में हैं। उन पर 40 लाख रुपए की धोखाधड़ी के आरोप लगे हैं, जिसके बाद उनका नाम काफी हाइलाइट हो रहा है। वहीं, अब हाल ही में इन आरोपों से परेशान होकर पलाश मुच्छल ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। साथ ही उन्होंने आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए कानूनी कार्रवाई की बात कही है। धोखाधड़ी के आरोपों के बीच पलाश मुछाल ने अपनी इंस्टा

स्टोरी पर लिखा, सांगली निवासी विज्ञान माने द्वारा सोशल मीडिया पर लगाए गए आरोपों के मद्देनजर, मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि मेरे खिलाफ ये दावे पूरी तरह से बेबुनियाद और तथ्यात्मक रूप से गलत हैं। ये आरोप मेरी छवि को खराब करने के इरादे से लगाए हैं। इन्हें नजरअंदाज नहीं किया जाएगा। मेरे वकील श्रेयांश मिथारे, सभी कानूनी रास्ते तलाश रहे हैं और इस मामले को उचित कानूनी माध्यमों से ही निपटाया जाएगा। बता दें, महाराष्ट्र के सांगली जिले में विज्ञान माने ने पुलिस में हाल ही में पलाश मुच्छल पर उसने 40 लाख रुपये की धोखाधड़ी का आरोप लगाया था। पुलिस के पास की शिकायत में विद्यान माने ने बताया कि दोनों की पहली मुलाकात 5 दिसंबर 2023 को सांगली में हुई थी। जब विद्यान ने पलाश से फिल्ममेकिंग में निवेश को लेकर बातचीत की, तो पलाश ने उन्हें अपनी आने वाली फिल्म नजारिया में पैसे लगाने का प्रस्ताव दिया। पलाश ने कथित तौर पर यह भरोसा दिलाया कि फिल्म के ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होने के बाद 25 लाख रुपये के निवेश पर करीब 12 लाख रुपये का मुनाफा होगा। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म में एक किरदार देने का भी वादा किया। इसके बाद उनकी पलाश से दो बार और मुलाकात हुई और मार्च 2025 तक उन्होंने अलग-अलग किस्तों में कुल 40 लाख रुपये पलाश को सौंप दिए। हालांकि, तय समय बीतने के बावजूद न तो फिल्म पूरी हुई और न ही निवेश से जुड़ा कोई लाभ मिला। जब फिल्म का काम आगे नहीं बढ़ा, तो विद्यान माने ने अपने पैसे वापस मांगे, लेकिन आरोप है कि पलाश की ओर से उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। आखिरकार, निराश होकर उन्होंने सांगली पुलिस का रुख किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मामले की प्रारंभिक जांच की जा रही है।

अक्षय नहीं.. यह एक्टर था 'एयरलिफ्ट' की पहली पसंद, निमार्ता से कहा- मेरे साथ फिल्म करोगे तो बजट भी नहीं आएगा

'एयरलिफ्ट' को लेकर इसके निर्देशक राजा मेनन ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया है कि इस फिल्म के लिए पहली पसंद कौन थे। अक्षय कुमार की अदाकारी वाली फिल्म 'एयरलिफ्ट' ने हाल ही में रिलीज के 10 साल पूरे कर लिए हैं। इसके निर्देशक ने फिल्म के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने यह भी बताया है कि इस फिल्म के लिए पहली पसंद अक्षय कुमार नहीं थे। फिल्म के लिए मेकर्स ने पहले इरफान खान से संपर्क किया था। बॉक्स ऑफिस पर इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इरफान ने निर्देशक को दी सलाह फिल्म के निर्देशक राजा कृष्ण मेनन ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया 'मैंने पहले जिस अभिनेता से संपर्क किया वह इरफान खान थे।' उन्होंने आगे बताया कि इरफान ने उनसे कहा, 'राजा, यह एक बेहतरीन स्क्रिप्ट है, लेकिन तुम्हारा विजन हॉलीवुड जैसा है। अगर मेरे साथ काम करोगे तो इस फिल्म से तुम्हें पैसे नहीं मिलेंगे।' मुश्किल से माने अक्षय कुमार राजा मेनन ने बताया कि फिल्म के निमार्ता निखिल ने भी वही बात कही जो इरफान खान ने कही। राजा मेनन ने आगे बताया 'निखिल ने मुझसे कहा कि मुझे पता है कि आप इरफान के बारे में सोच रहे हैं लेकिन आप अक्षय से मिलिए। इसके बाद वह इस फिल्म के लिए अक्षय कुमार से मिले। 40 मिनट बात करने के बाद अक्षय कुमार ने फिल्म के लिए हां कहा। पुलिस के पास पहुंचे फिल्म के प्रोड्यूसर इरफान ने अक्षय को लेने के लिए कहा इससे पहले गलट्टा प्लस से बातचीत में निमार्ता निखिल ने कहा था कि 'एयरलिफ्ट' के लिए उन्होंने इरफान खान से बात की थी तो उन्होंने कहा था कि मेरे साथ यह फिल्म मत करो वर्ना बजट भी नहीं आएगा। आप अक्षय कुमार के पास जाइए। बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई 'एयरलिफ्ट' फिल्म 'एयरलिफ्ट' में अक्षय कुमार के साथ निमरत कौर थीं। यह फिल्म अगस्त 1990 में कुवैत पर इराक के आक्रमण की घटना पर आधारित थी। अक्षय कुमार ने इसमें एक बिजनेसमैन की भूमिका निभाई थी। 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 221.67 करोड़ रुपये कमाए थे।

हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा को बीच में रोके जाने अखण्ड आर्यावर्त महासभा आगबबूला

लखनऊ (संवाददाता)। भगवान श्रीराम जन्मभूमि में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर निकाली गयी हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा को बीच में रोके जाने को लेकर अखण्ड आर्यावर्त आर्य त्रिदंडी महासभा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर पुलिस प्रशासन के अधिकारियों के खिलाफ काररवाई के साथ जवाब मांगा है कि आखिर ऐन वक्त पर यात्रा को अनुमति क्यों नहीं दी गयी, जबकि लगभग बीस दिन पहले से ही संगठन ने जिला प्रशासन से अनुमति मांगी थी, जिस पर कोई निर्णय न देकर संगठन को यात्रा निकाले जाने को लेकर अंधेरे में रखा। मालूम हो कि संगठन पिछले लगभग 2 महीने से हिन्दू राष्ट्र निर्माण यात्रा को लेकर तैयारी कर रहे थे, और इसी क्रम में कुर्सी रोड स्थित संगठन के मुख्यालय से यात्रा को भाजपा के एमएलसी पवन सिंह चौहान ने भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा को रवाना किया था, जिसे हनुमान सेतु पहुंचकर समाप्त होनी थी, लेकिन पुलिस प्रशासन ने बीच रास्ते में यात्रा को तितर-बितर कर गुलाचीन मन्दिर के आगे बढ़ने नहीं दिया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ऋषि त्रिवेदी ने कहा है कि यदि यात्रा को लेकर प्रशासन को अनुमति नहीं देनी थी तो पहले ही लिखित में बता देते, तो अनावश्वयक प्रदेश के विभिन्न जनपदों से कार्यकर्ता को न बुलाया जाता। श्री त्रिवेदी ने साफ कहा कि प्रशासन ने जानबूझ कर संगठन को यात्रा निकाले जाने संबंधी अनुमति को लेकर अंधेरे में रखा गया। जिससे संगठन कार्यकताओं का आर्थिक भी काफी नुकसान हुआ।

अमेरिका के अधिकांश हिस्सों में भारी बर्फबारी की आशंका

8000+ उड़ानें रद्द; एअर इंडिया ने जारी की एडवाइजरी

डलास/नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्वी तट पर भारी बर्फबारी और भीषण शीतकालीन तूफान की चेतावनी के कारण न्यूयॉर्क और नेवार्क से एअर इंडिया की 25 और 26 जनवरी की सभी उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। अमेरिकी मौसम विभाग ने न्यू मैक्सिको से न्यू इंग्लैंड तक 14 करोड़ लोगों के लिए चेतावनी जारी की है और कई राज्यों में आपातकाल घोषित किया गया है। इस तूफान के कारण आठ हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं। अमेरिका के पूर्वी तट पर न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी और आसपास के इलाकों में रविवार से सोमवार तक भारी बर्फबारी की आशंका है। इसके साथ ही भीषण शीतकालीन तूफान का अनुमान भी जताया गया है। इसका असर उड़ानों पर पड़ सकता है। ऐसे में एअर इंडिया ने यात्रियों और चालक दल के सदस्यों की सुरक्षा, सुविधा और कल्याण को ध्यान रखते हुए 25 और 26 जनवरी को न्यूयॉर्क और नेवार्क से आने-जाने वाली अपनी सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एअर इंडिया ने क्या कहा? एअर इंडिया ने कहा कि जिन यात्रियों की इन तारीखों में उड़ान बुक हैं, उन्हें उनकी समर्पित टीमें हरसंभव मदद प्रदान करेंगी। इससे जुड़ी अधिक जानकारी के लिए यात्री एअर इंडिया के 24७7 कॉल सेंटर +91 1169329333 और +91 1169329999 पर संपर्क कर सकते हैं। एयरलाइन ने बताया कि यात्रियों से यह भी अनुरोध किया गया है कि वे एअर इंडिया की वेबसाइट ३३स्र://१ल्ल्र्.ङ्क पर जानकारी जांच करते रहें। एअर इंडिया ने यात्रियों से धैर्य और सहयोग बनाए रखने के लिए धन्यवाद कहा। अमेरिका में आठ हजार से ज्यादा उड़ानें रद्द भीषण शीतकालीन तूफान की आशंका के चलते अमेरिका में सप्ताहांत की 8,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गईं। मौसम खराब होने से कई इलाकों में भारी नुकसान, लंबे समय तक बिजली आपूर्ति बाधित होने और जनजीवन प्रभावित होने की चेतावनी दी गई है। तूफान के कारण प्रमुख सड़कों पर यातायात भी बुरी तरह प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने क्या कहा? मौसम विभाग के अनुसार, शीतकालीन तूफान की चेतावनी के दायरे में न्यू मैक्सिको से लेकर न्यू इंग्लैंड तक करीब 14 करोड़ लोग हैं। राष्ट्रीय मौसम सेवा ने चेतावनी दी है कि भारी बर्फबारी होगी और पूर्वी टेक्सास से नॉर्थ कैरोलिना तक खतरनाक बर्फ जमने की स्थिति बन सकती है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि जिन इलाकों में बर्फ जमने की संभावना है, वहां हालात इतने खराब हो सकते हैं कि नुकसान किसी बड़े तूफान या चक्रवात जैसा हो सकता है। कई राज्यों ने मौसम को लेकर चेतावनी जारी की एक दर्जन से ज्यादा राज्यों के गवर्नर्स ने खराब मौसम को लेकर चेतावनी जारी की है। कई जगह आपातकाल घोषित किया गया है और लोगों से घरों में रहने की अपील की गई है।

इंडोनेशिया में भूस्खलन से 8 लोगों की मौत, 80 से ज्यादा लापता; तलाश में जुटे बचावकर्मी

इंडोनेशिया (एजेंसी)। इंडोनेशिया में भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 82 लोग लापता हैं। पश्चिम जावा प्रांत के पश्चिम बांडुंग जिले के पासिर लांगू और पासिर कुनिंग गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां कीचड़ और चट्टानों से 34 घर दब गए। इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा में शनिवार को भारी बारिश के कारण भूस्खलन हुआ। इसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई और 82 लोग लापता हो गए। बचावकर्मी गहरे कीचड़ में फंसे लोगों की तलाश में जुटे रहे। कई दिनों तक हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदियां उफान पर आ गईं। पश्चिम जावा प्रांत के पश्चिम बांडुंग जिले के पासिर लांगू गांव में तबाही मचा दी।

कीचड़, चट्टानें और पेड़ पहाड़ की ढलान से नीचे लुढ़क गए, जिससे लगभग 34 घर दब गए। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता अब्दुल मुहरी ने बताया कि बचावकर्मी कीचड़ और मलबे के ढेर के नीचे दबे होने की आशंका वाले 82 निवासियों की तलाश कर रहे थे, जबकि 24 लोग आपदा से बचने में कामयाब रहे। सुबह 3 बजे हुए भूस्खलन में घर और लोग बह जाने के बाद सबसे बुरी तरह प्रभावित पासिर कुनिंग गांव से लगभग आठ शव निकाले गए। टेलीविजन स्टेशनों ने पासिर लांगू में श्रमिकों और निवासियों द्वारा हताशा में खुदाई करते हुए फुटेज प्रसारित किए, जहां सड़कें और हरे-भरे सीढ़ीदार चावल के खेत कीचड़ भरे भूरे रंग के कीचड़ में बदल गए थे, क्योंकि गांव मोटी मिट्टी, चट्टानों और उखड़े हुए पेड़ों से ढका हुआ था। भारी बारिश खोज और बचाव कार्यों को जटिल बना रही पश्चिम जावा के आपदा प्रबंधन कार्यालय के प्रमुख टेटेन अली मुंगकु एंगकुन ने कहा, अस्थिर मिट्टी और भारी बारिश खोज और बचाव कार्यों को जटिल बना रही है। उन्होंने बताया कि स्थानीय अधिकारियों ने भूस्खलन के तुरंत बाद नुकसान का आकलन किया। आपाोतकालीन बचाव दल तैनात किए। भूस्खलन क्षेत्र से 100 मीटर (गज) के दायरे में रहने वाले परिवारों को भूस्खलन के और अधिक होने की आशंका के चलते सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया।

पृथ्वी की खिसकती प्लेटों की चाल ने जलवायु को सबसे ज्यादा बदला

महासागरों की भूमिका आई सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पृथ्वी के इतिहास में जलवायु ने कई बार अत्यधिक ठंडे आइसहाउस दौर से लेकर बेहद गर्म ग्रीनहाउस अवस्थाओं तक की यात्रा की है। अब तक वैज्ञानिक इन बदलावों को मुख्य रूप से वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड के उतार चढ़ाव से जोड़ते रहे हैं, लेकिन एक नया अध्ययन बताता है कि इस कार्बन का स्रोत और उसे नियंत्रित करने वाली ताकतें कहीं अधिक जटिल हैं। पृथ्वी की सतह के नीचे खिसकती टेक्टोनिक प्लेटें जलवायु परिवर्तन में पहले से कहीं बड़ी भूमिका निभा रही हैं। खासकर वे स्थान जहां प्लेटें अलग होती हैं। जर्नल कम्युनिकेशन्स, अर्थ एंड एनवायरनमेंट में प्रकाशित इस नए शोध में वैज्ञानिकों ने बताया है कि पृथ्वी की टेक्टोनिक्स प्लेटों ने पिछले 540 मिलियन वर्षों में वैश्विक जलवायु को किस तरह आकार दिया। अध्ययन के अनुसार कार्बन केवल वहीं नहीं निकलता जहां टेक्टोनिक प्लेटें टकराती हैं, बल्कि उन क्षेत्रों में भी बड़ी मात्रा में भूमिका निभाता है जहां प्लेटें एक-दूसरे से दूर खिसकती हैं। जहां टेक्टोनिक प्लेटें आपस में मिलती हैं, वहां ज्वालामुखियों की कतारें बनती हैं, जिन्हें ज्वालामुखीय चाप कहा जाता है। इन ज्वालामुखियों

से जुड़ी पिघलन प्रक्रिया चट्टानों में लंबे समय से बंद कार्बन को मुक्त कर वायुमंडल में छोड़ती है। शोध के अनुसार वे क्षेत्र जहां टेक्टोनिक प्लेटें फैलती हैं भूगर्भीय समय में पृथ्वी के कार्बन चक्र को चलाने में कहीं अधिक अहम रहे हैं। समुद्र की तलछट की अहम भूमिका इन मॉडलों की मदद से शोधकताओं ने पिछले 540 मिलियन वर्षों में पृथ्वी के प्रमुख ग्रीनहाउस और आइसहाउस कालखंडों की भविष्यवाणी की। ग्रीनहाउस दौर में जब पृथ्वी अधिक गर्म थी कार्बन का उत्सर्जन, उसके अवशोषण से अधिक रहा। इसके उलट आइसहाउस काल में महासागरों द्वारा कार्बन को तलछट में कैद करने की प्रक्रिया हावी रही, जिससे वायुमंडलीय कार्बन डाइऑक्साइड कम हुआ और वैश्विक ठंडक बढ़ी। समुद्री सूक्ष्म जीवों ने कार्बन उत्सर्जन पर डाला प्रभाव इतिहास में ज्वालामुखीय चापों से निकलने वाले कार्बन को सबसे बड़ा स्रोत माना गया, लेकिन शोध बताता है कि यह भूमिका मुख्य रूप से पिछले 120 मिलियन वर्षों में ही प्रमुख हुई। इसका कारण प्लैंक्टिक कैल्सिफायर्स नामक सूक्ष्म समुद्री जीव हैं, जो घुले हुए कार्बन को कैल्साइट में बदलकर समुद्र तल पर जमा करते हैं। ये जीव लगभग 200 मिलियन वर्ष पहले विकसित हुए और करीब 150 मिलियन वर्ष पहले महासागरों में व्यापक रूप से फैल गए। इन्हीं के कारण बाद के काल में ज्वालामुखीय चापों से निकलने वाला कार्बन अधिक दिखाई देता है। इससे पहले, मध्य-महासागरीय रिज और महाद्वीपीय दरारों से निकलने वाला कार्बन वायुमंडल पर ज्यादा असर डालता था।

'3000 साल पुराने हैं भारत-ईरान के रिश्ते, चाबहार पर काम अच्छे से होगा', ईरानी प्रतिनिधि

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के सर्वोच्च नेता के प्रतिनिधि अब्दुल मजीद हकीम इलाही ने भारत और ईरान के रिश्तों को लेकर सकारात्मक बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि चाबहार बंदरगाह परियोजना पर काम अच्छे तरीके से आगे बढ़ेगा और भारत-ईरान के संबंध भविष्य में और मजबूत होंगे। उन्होंने भरोसा जताया कि दोनों देश आपसी सहयोग और समझदारी के साथ इस परियोजना को सफल बनाएंगे। '3000 साल पुराने भारत-ईरान के रिश्ते' एएनआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि भारत और ईरान के रिश्ते

बहुत पुराने हैं, इस्लाम के आने से भी लगभग 3,000 साल पहले से दोनों सभ्यताओं के बीच संपर्क रहा है। उन्होंने बताया कि ईरान में भारत के दर्शन, गणित, खगोल विज्ञान और चिकित्सा से जुड़ी पुस्तकों का अध्ययन किया जाता रहा है। विश्वविद्यालयों में भी भारतीय ज्ञान परंपरा का असर देखा गया है। इससे यह साफ होता है कि दोनों देशों के रिश्ते सिर्फ राजनीतिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और बौद्धिक भी हैं। 'दोनों देश अच्छे संबंध और सहयोग चाहते हैं' चाबहार बंदरगाह को लेकर उन्होंने कहा कि ईरान के सर्वोच्च नेता हमेशा भारत के साथ अच्छे रिश्तों पर जोर देते रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक भारत सरकार ने दूसरे देशों के प्रतिबंधों से प्रभावित होकर ईरान से अपने रिश्ते नहीं बिगाड़े हैं और दोनों देश अच्छे संबंध और सहयोग चाहते हैं। उन्हें उम्मीद है कि चाबहार परियोजना पर काम अच्छे ढंग से आगे बढ़ेगा। चाबहार बंदरगाह भारत के लिए रणनीतिक रूप से बहुत अहम है। इसके जरिए भारत अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक बिना पाकिस्तान पर निर्भर हुए व्यापार कर सकता है।

भारतीय मूल के शख्स ने पत्नी समेत चार रिश्तेदारों को उतारा मौत के घाट; बच्चों ने अलमारी में छिप बचाई जान

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका के जॉर्जिया में कथित तौर पर परिवारिक विवाद के गोलीबारी में चार लोगों की मौत हो गई, जिसमें एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। आरोपी को गिरफ्तार किया गया है और उस पर हत्या और बच्चों के साथ बुरा व्यवहार करने जैसे गंभीर आरोप लगाए गए हैं। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने घटना पर दुख जताया। अमेरिका के जॉर्जिया राज्य में कथित पारिवारिक विवाद

के चलते गोलीबारी में मारे गए लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। अटलांटा में भारतीय मिशन ने यह जानकारी दी। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने क्या कहा? स्थानीय मीडिया के अनुसार, इस गोलीबारी में शुक्रवार सुबह (स्थानीय समय) चार लोग मारे गए। घटना के समय घर में तीन बच्चे मौजूद थे। अटलांटा में भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने इस गोलीबारी पर गहरा दुःख जताते हुए कहा कि कथित शूटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और मृतकों के परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है। महावाणिज्य दूतावास ने एक्स पर कहा, 'हमें गोलीबारी की घटना पर गहरा दुःख है, जो कथित पारिवारिक विवाद से जुड़ी थी और इसमें मारे गए लोगों में एक भारतीय नागरिक भी शामिल था। कथित शूटर को गिरफ्तार कर लिया गया है और मृतकों के परिवार को हरसंभव सहायता प्रदान की जा रही है।' गोलीबारी में कौन-कौन मारे गए? स्थानीय मीडिया 'फॉक्स5 अटलांटा' के मुताबिक, संदिग्ध की पहचान अटलांटा के विजय कुमार (51 वर्षीय) के रूप में हुई।

'बाहर के लोगों ने की हिंसा', प्रदर्शन को लेकर ईरान का बड़ा दावा; कहा- थोपा गया तो युद्ध के लिए तैयार

नईदिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी विरोध प्रदर्शन फिलहाल नियंत्रित दिख रहे हैं। भारत दौरे पर आए ईरान के सर्वोच्च नेता के विशेष दूत डॉ. इलाही ने कहा कि ईरान के हालात वैसे नहीं हैं, जैसे दिखाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बाहरी लोगों पर ईरान में हिंसा भड़काने का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत भेजने वाले बयान के बाद अब ईरान ने भी नई चेतावनी जारी की है। ईरान ने कहा है कि अगर जबरन थोपा गया तो ईरान भी युद्ध के लिए तैयार है। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के विशेष दूत डॉ. अब्दुल मजीद हकीम इलाही भारत दौरे

पर हैं। डॉ. इलाही ने मीडिया के साथ इंटरव्यू में ईरान के मौजूदा हालात, प्रदर्शन में लोगों की मौत और पश्चिमी देशों की धमकी पर खुलकर बात की। इंटरव्यू के दौरान क्या बोले खामेनेई के विशेष दूत डॉ. इलाही इलाही ने कहा, ईरान में दो स्थिति हैं, जिनमें से एक हकीकत है और दूसरी सिर्फ कल्पना। कुछ पत्रकारों, दुश्मनों और अन्य लोगों ने ऐसी कल्पना बनाई है, जो हकीकत से कोसों दूर है। हमारे देश में आर्थिक समस्याएं हैं और कुछ लोग इससे नाराज भी हैं, लेकिन ये परिस्थितियां अन्य देशों ने हम पर प्रतिबंध लगाकर बनाई हैं। कुछ लोग इस स्थिति का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैसा नहीं है, जैसा दिखाने की कोशिश की जा रही है। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और जो सोशल मीडिया पर दिखाया जा रहा है, वैसा कुछ भी नहीं है। ईरान के विरोध प्रदर्शन में हजारों लोगों के मारे जाने के सवाल पर ईरानी नेता ने कहा, कुछ कथित मानवाधिकार संगठनों ने अमेरिकी सांसदों से इंटरव्यू के बाद ईरान में हजारों लोगों के मारे जाने का दावा किया है, लेकिन ये आंकड़े पूरी तरह से फर्जी हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनों के दौरान कुछ लोग मारे गए हैं, लेकिन उनकी संख्या साफ नहीं है। प्रदर्शनकारियों ने आम नागरिकों पर हमला किया, पुलिस पर हमला किया और कई पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी। ऐसे लोग हालात का फायदा उठाना चाहते थे। जिसके चलते सख्ती बरती गई। लेकिन जो आंकड़े पेश किए जा रहे हैं, वे अमेरिका और ब्रिटेन से जुड़े संगठनों के हैं अर ये सही नहीं हैं। ईरानी नेता ने कहा कि प्रदर्शनकारी बाहरी लोग थे और कुछ ऐसे थे, जो या तो बाहर पढ़े थे या फिर सोशल मीडिया के जरिए उन्हें भड़काया गया। इन्होंने ही बेगुनाह लोगों को मारा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया को पूरी तरह से नियंत्रित नहीं किया जा सकता। दुश्मन देश ईरान के खिलाफ 250 से ज्यादा चैनलों के जरिए झूठा भ्रम फैलाते हैं और वे चाहते हैं कि ईरान का हर युवा अपनी सरकार के खिलाफ हो जाए। बाहरी दखल को खत्म करने के लिए ही इंटरनेट को बंद किया गया ताकि हालात को शांत किया जा सके। हालांकि हमारा स्थानीय इंटरनेट काम कर रहा है। ईरान के सर्वोच्च नेता के विशेष दूत डॉ. इलाही ने कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि हालात सुधर जाएंगे।

खैबर पख्तूनख्वा में हिमस्खलन से एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत, आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हिमस्खलन में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि एक नौ साल का बच्चा बच गया। 36 घंटे से

लगातार बर्फबारी से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। कई सड़कें बंद हो गईं, यात्री फंसे और बिजली तथा राहत कार्य भी ठप हो गए। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी प्रांत खैबर पख्तूनख्वा में भारी बर्फबारी के कारण हुए हिमस्खलन में एक ही परिवार के नौ लोगों की मौत हो गई। हिमस्खलन के कारण उनका पूरा घर बर्फ में दब गया। डॉन अखबार की रिपोर्ट के मुताबिक, बर्फबारी के कारण शुक्रवार को खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में जनजीवन पूरी तरह ठप हो गया। कई सड़कें बंद हो गईं, यात्री फंस गए और भीषण ठंड के बीच बिजली और राहत कार्य प्रभावित हुए। शुक्रवार दोपहर खैबर पख्तूनख्वा के चितराल जिले के दक्षिणी इलाके में स्थित सेरीगल गांव के एक घर को हिमस्खलन ने अपनी चपेट में ले लिया। कैसे हिमस्खलन के चपेट में आया घर? निचले चितराल के उपायुक्त हाशिम अजीम ने बताया कि मलबे से सभी मृतकों के शव निकाल लिए गए। उन्होंने बताया कि इस हादसे में नौ साल का एक बच्चा बच गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाके में 20 इंच से अधिक बर्फबारी हुई थी। पास के चरागाह से भारी मात्रा में हिमस्खलन हुआ और पहाड़ी गांव में स्थित अकेले घर को अपने साथ बहा ले गई। हिमस्खलन से कितने लोगों की मौत हुई और क्या असर पड़ा? मृतकों की पहचान बाचा खान, उनकी पत्नी, तीन बेटे, दो बेटियां और दो बहुओं के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय परिवार के सभी सदस्य घर के बीच वाले कमरे में खाना खा रहे थे।

संघर्ष विराम की बातचीत के बीच भी रूस-यूक्रेन के हमले जारी

ड्रोन अटैक में एक की मौत; 18 घायल

कीव (एजेंसी)। रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष विराम के लिए संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी मध्यस्थता में बातचीत हो रही है। हालांकि दोनों पक्ष इस बातचीत को लेकर कितने गंभीर हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि अभी भी हमले जारी हैं। ताजा हमले में यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हुए हैं। रूस और यूक्रेन के बीच अमेरिका की मध्यस्थता में संयुक्त अरब अमीरात में संघर्ष विराम के मुद्दे पर बातचीत हो रही हैं। हालांकि संघर्ष विराम की बातचीत के बीच भी हमले जारी हैं। रूस के ड्रोन हमले में यूक्रेन की राजधानी कीव में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। कीव के शहरी सैन्य प्रशासन के प्रमुख ने एक बयान जारी कर कहा कि रूसी ड्रोन के हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है और चार अन्य घायल हुए हैं। वहीं यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर खारकीव में भी रूस ने हमला किया। इस हमले में 14 लोग घायल हुए हैं। संयुक्त अरब अमीरात में संघर्ष विराम पर बातचीत का दूसरा दिन

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के प्रतिनिधि संयुक्त अरब अमीरात में संघर्ष विराम पर चर्चा के लिए शनिवार को दूसरे दिन मिलने वाले हैं। इससे पहले शुक्रवार को दोनों पक्षों की मुलाकात हुई थी। संयुक्त अरब अमीरात के विदेश मंत्री ने बताया कि रूस और यूक्रेन संकट के राजनीतिक समाधान पर चर्चा कर रहे हैं। वहीं अमेरिका ने कहा कि शुक्रवार को दोनों पक्षों में हुई बातचीत काफी उत्पादक रही। रूस-यूक्रेन युद्ध को रुकवाने के लिए हाल के दिनों में कई कूटनीतिक पहल हुई हैं। हालांकि अभी भी दोनों पक्षों के बीच गंभीर मुद्दे हैं, जिन पर सहमति बनाना चुनौती है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वालियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com | सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।